घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 100- सोमवार 09- फरवरी 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

संपादकीय

चुनौती का सामना करें भारतीय उद्योग

यूरोपीय संघ और भारत के बीच व्यापार समझौता बहुत महत्वपूर्ण...

यूरोपीय संघ के साथ हुए व्यापार समझौते और अमेरिका के साथ होने वाले इसी तरह के समझौते के बाद भारत सरकार के साथ भारतीय कारोबारियों को इस पर विशेष ध्यान देना होगा कि इन समझौतों का अधिक से अधिक लाभ कैसे उठाया जाए। चूंकि यूरोप के देशों ने हर मामले में अपने मानक ऊंचे कर रखे हैं,इसलिए भारतीय कारोबारियों को इस पर गौर करना होगा कि उनके उत्पाद और उनकी सेवाएं वहां के मानकों पर खरी उतर सकें...

इस वर्ष गणतंत्र दिवस पर यूरोपीय संघ की अध्यक्ष उर्सुला वान और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा की दिल्ली में उपस्थिति केवल भारत और यूरोप के बीच के मधुर होते संबंधों को ही नहीं बयान कर रही थी,बल्कि इन संबंधों को आगे बढ़ाने की पहल को भी रेखांकित कर रही थी। अंततः गणतंत्र दिवस के अगले दिन यूरोपीय संघ और भारत के बीच वह व्यापार समझौता हो गया,जिसकी व्यापक चर्चा हो रही थी और जिसे सभी व्यापार समझौतों की जननी कहा जा रहा था। इस समझौते ने दुनिया भर का ध्यान आकर्षित किया। प्रारंभ में अमेरिका की प्रतिक्रिया बहुत उत्साहजनक नहीं थी,लेकिन जल्द ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी भारत के साथ व्यापार समझौते पर सहमति बन जाने की घोषणा की। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अमेरिका भारत पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ को 18 प्रतिशत करने जा रहा है।

उनकी इस घोषणा का भारतीय प्रधानमंत्री ने भी स्वागत किया। चूंकि गत दिवस इस समझौते की रूपरेखा सामने आ गई,इसलिए माना जा रहा है कि अगले माह इस पर हस्ताक्षर हो जाएंगे। यूरोपीय यूनियन की तरह अमेरिका से होने वाला व्यापार समझौता इसलिए विशेष है,क्योंकि इसे लेकर असमंजस था कि दोनों देशों के बीच व्यापार समझौता हो पाएगा या नहीं?

भारत-यूरोपीय संघ के बीच व्यापार समझौता इसलिए हो सका, क्योंकि एक ओर जहां भारत अमेरिकी राष्ट्रपति के रवैये से चिंतित था,वहीं दूसरी ओर यूरोप के देश भी। इस समझौते का एक कारण यह भी रहा कि पिछले कुछ समय में भारत ने यूरोप के प्रमुख देशों फ्रांस और जर्मनी के साथ अपने रिश्ते प्रगाढ़ किए हैं। इसके अलावा हाल के समय में भारत ने ब्रिटेन,न्यूजीलैंड,ओमान और यूएई के साथ भी व्यापार समझौते किए हैं। कुछ अन्य देशों से भी भारत की व्यापार समझौते संबंधी वार्ताएं अंतिम चरण में हैं। इन देशों में कनाडा भी है,जिसके इन दिनों अमेरिका से रिश्ते खराब चल रहे हैं। यूरोप को व्यापार के मामले में भारत का साथ लेना इसलिए आवश्यक महसूस हो रहा था,क्योंकि यहां के देश कई आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहे हैं।

वैसे तो यूरोपीय देश संपन्न हैं,लेकिन उनके यहां छोटी-मोटी चीजों का उत्पादन बंद सा हो गया है और वे हाईटेक उत्पादों और सेवाओं पर ही अधिक केंद्रित हैं। यूरोपीय देश अप्रवासियों के आगमन के चलते सामाजिक उथल-पुथल का भी सामना कर रहे हैं। वहां के कई देशों में अप्रवासियों के खिलाफ मुहिम चल रही है। यूरोप भले ही दो दर्जन से अधिक देशों की एक इकाई हो,पर वहां के कुछ देश अत्यधिक विकसित हैं तो कुछ विकासशील देशों की श्रेणी में आते हैं। ऐसे विकासशील देश भारत से व्यापार को अपने लिए और लाभप्रद मान रहे हैं।

जब संसद ही मर्यादा तोड़े... तो आचार-संहिता किसके लिए?

डॉ. प्रियंका सौरभ
हिसार,हरियाणा

संसद की गरिमा और जातिगत मानसिकता के संकट के चलते उठते सवाल

आज भारतीय संसद की कार्यवाही ने लोकतंत्र की उस बुनियादी शर्त पर गहरे प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं,जिसे हम समानता,गरिमा और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता कहते हैं। संसद केवल कानून बनाने की जगह नहीं होती,बल्कि वह वह मंच होती है जहाँ लोकतंत्र की आत्मा बोलती है। लेकिन जब उसी मंच पर निर्वाचित प्रतिनिधि अपनी बात निर्बाध रूप से नहीं रख पा रहे हों,तो यह केवल संसदीय अव्यवस्था नहीं रह जाती,बल्कि लोकतांत्रिक चेतना के क्षरण का संकेत बन जाती है।

यह स्थिति इसलिए भी अधिक चिंताजनक है क्योंकि संसद वह संस्था है, जिससे पूरे समाज को दिशा मिलती है। यदि यहाँ शोर,व्यवधान,व्यक्तिगत हमले और लक्षित अपमान सामान्य होते जा रहे हैं,तो यह संदेश केवल संसद तक सीमित नहीं रहता–यह पूरे समाज में असहिष्णुता और अराजकता को वैधता देता है।

यह विडंबना ही है कि जिस देश ने अपने संविधान के माध्यम से जाति, वर्ग और भेदभाव से मुक्ति का सपना देखा था,उसी देश की संसद में आज भी व्यक्ति की पहचान उसके पद से पहले उसकी सामाजिक पृष्ठभूमि से तय होती दिखाई देती है। राष्ट्रपति का अभिभाषण हो या प्रधानमंत्री का धन्यवाद प्रस्ताव–यदि इन संवैधानिक प्रक्रियाओं को भी शोर,व्यवधान और लक्षित अपमान के बीच पूरा न किया जा सके,तो सवाल केवल राजनीतिक शिष्टाचार का नहीं रहता,बल्कि संस्थागत मर्यादा का बन जाता है।

संविधान ने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री जैसे पदों को किसी जाति,वर्ग या समुदाय से ऊपर रखा है। ये पद संविधान की संप्रभुता के प्रतीक हैं। लेकिन जब इन पदों पर बैठे व्यक्तियों को भी उनकी सामाजिक पहचान के चश्मे से देखा जाता है, तो यह उस गहरी जातिगत मानसिकता को उजागर करता है,जो आज भी हमारे लोकतंत्र के भीतर जीवित है।

संसद में सवाल पूछना विपक्ष का अधिकार है–बल्कि लोकतंत्र में यह उसका कर्तव्य है। लेकिन सवालों का स्वर,भाषा और उद्देश्य भी लोकतांत्रिक मर्यादा के भीतर होना चाहिए। जब प्रश्न नीति,प्रशासन और जनहित की जगह व्यक्तिगत पहचान,सामाजिक वर्ग या जातिगत संकेतों की ओर मुड़ने लगें, तो यह विमर्श नहीं,बल्कि विभाजन की राजनीति बन जाती है।

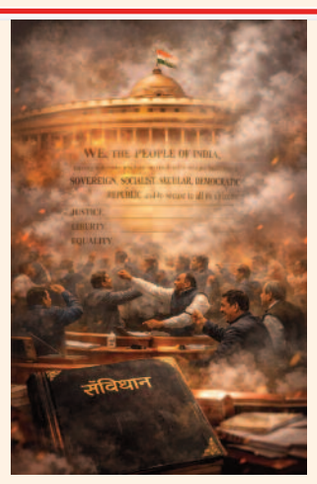

यह प्रवृत्ति न केवल संसद की गरिमा को ठेस पहुँचाती है,बल्कि समाज को भी वही संदेश देती है कि सत्ता के शीर्ष पर पहुँचने के बाद भी व्यक्ति जातिगत खाँचों से मुक्त नहीं हो सकता। इसका असर केवल राजनीतिक नहीं होता, इसका सामाजिक प्रभाव भी गहरा होता है–यह उन करोड़ों लोगों को निराश करता है जो लोकतंत्र को सामाजिक न्याय का माध्यम मानते हैं।

एक सौ चालीस करोड़ की आबादी वाले देश में संसद केवल कानून बनाने की जगह नहीं है,वह लोकतंत्र का नैतिक केंद्र है। यही वह स्थान है जहाँ असहमति को सम्मान मिलना चाहिए,जहाँ बहस होनी चाहिए लेकिन अपमान नहीं,जहाँ टकराव हो लेकिन हिंसक भाषा नहीं। यदि उसी केंद्र में निर्वाचित प्रतिनिधियों की सुरक्षा,सम्मान और अभिव्यक्ति सुनिश्चित नहीं हो पा रही,तो यह तंत्र की गंभीर विफलता है।

यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या संसद के भीतर अनुशासन केवल कागज़ों तक सीमित रह गया है? क्या सदन की कार्यवाही बाधित करना,योजनाबद्ध शोर मचाना और संवैधानिक प्रक्रियाओं को रोकना अब राजनीतिक रणनीति का हिस्सा बन चुका है? और यदि ऐसा है, तो क्या इसके लिए कोई स्पष्ट और कठोर जवाबदेही तय की जाएगी?

आज विश्वविद्यालयों,कॉलेजों और सार्वजनिक संस्थानों के लिए आचार-संहिताएँ बनाई जाती हैं–छात्रों और शिक्षकों से अपेक्षा की जाती है कि वे मर्यादा और अनुशासन में रहें। लेकिन क्या यह विडंबना नहीं है कि संसद,जो इन नियमों को बनाने वाली संस्था है, स्वयं अनुशासनहीनता का उदाहरण बनती जा रही है? क्या संसद के लिए भी किसी सख्त आचार-संहिता की आवश्यकता नहीं है,जो केवल काग़ज़ पर नहीं, व्यवहार में लागू हो?

यह बहस किसी एक पद,व्यक्ति या राजनीतिक दल तक सीमित नहीं है। यह उस मानसिकता का प्रश्न है, जो आज भी व्यक्ति को उसकी संवैधानिक भूमिका से पहले उसकी जाति में बाँधकर देखती है। राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री–दोनों पद संविधान से शक्ति पाते हैं,न कि किसी सामाजिक श्रेणी से। फिर भी,जब सदन के भीतर और बाहर उन्हें उसी पुरानी दृष्टि से देखा जाता है, तो यह लोकतंत्र की आत्मा पर सीधा आघात है।

हम अक्सर गर्व से कहते हैं कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। लेकिन लोकतंत्र केवल संख्या से बड़ा नहीं होता,उसकी गुणवत्ता भी मायने रखती है। यदि लोकतंत्र के सबसे बड़े मंच पर ही समानता और सम्मान सुनिश्चित नहीं हो पा रहे,तो यह आत्ममंथन का समय है।

देश ने बीते दशकों में विकास, तकनीक और वैश्विक पहचान के अनेक पड़ाव पार किए हैं। हम अंतरिक्ष में पहुँच गए,डिजिटल अर्थव्यवस्था बना ली,वैश्विक मंचों पर अपनी आवाज़ बुलंद की। लेकिन सामाजिक समानता की कसौटी पर आज भी हम बार-बार फिसलते दिखाई देते हैं। जाति, पहचान और पूर्वाग्रह आज भी हमारे सार्वजनिक जीवन को नियंत्रित करते हैं।

यदि संसद स्वयं इस सोच से मुक्त नहीं हो पाती,तो समाज से परिवर्तन की अपेक्षा करना व्यर्थ है। संसद को केवल कानून बनाने वाली संस्था नहीं,बल्कि उदाहरण प्रस्तुत करने वाली संस्था बनना होगा। यहाँ जो आचरण होगा, वही समाज में आदर्श माना जाएगा।

इसलिए यह समय है कि संसद की गरिमा,समानता और कार्यवाही की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए स्पष्ट, पारदर्शी और कठोर नियमों पर गंभीर विचार किया जाए। ऐसे नियम जो सत्ता पक्ष और विपक्ष–दोनों पर समान रूप से लागू हों। ऐसे नियम जो अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को दबाएँ नहीं,लेकिन अराजकता को भी अनुमति न दें।

लोकतंत्र की मजबूती शोर से नहीं, संवाद से आती है,अवरोध से नहीं, असहमति के सम्मान से आती है। संसद को फिर से वही स्थान बनना होगा,जहाँ विचार टकराएँ,लेकिन व्यक्ति अपमानित न हो; जहाँ सत्ता और विपक्ष आमने-सामने हों,लेकिन संविधान सर्वोपरि रहे।

यदि संसद ही मर्यादा तोड़ेगी,तो देश से मर्यादा की अपेक्षा कैसे की जा सकती है? यही प्रश्न आज भारतीय लोकतंत्र के सामने सबसे बड़ी चुनौती बनकर खड़ा है। तभी लोकतंत्र अपनी वास्तविक अर्थवत्ता में जीवित रह पाएगा।

भारत के लिए निर्गुट आर्थिक सामरिक केंद्र होने की क्षमता

संजीव ठाकुर
रायपुर,छत्तीसगढ़

स्वतंत्रता के बाद भारत के परंपरागत रूप से रुस से बड़े ही प्रगाढ़ संबंध रहे हैं, जो कालांतर में लगातार सामरिक एवं आर्थिक संबंधों के चलते मजबूत होते गए हैं। वर्तमान में भारत का सबसे विश्वसनीय साथी और ट्रेड पार्टनर रूस और रूस के राष्ट्रपति पुतिन ही है। करोना काल से लेकर अब तक भारत ने रूस के साथ अरबो रुपए के व्यापार तथा सामरिक समझौते किए हैं,2014 के बाद जब से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सत्ता में आए हैं तब से भारत के विश्व के अनेक देशों से संबंध अत्यंत शक्तिशाली हुए और सामयिक व्यापारिक रिश्ते भी बने हैं। ताजा ताजा स्थिति में अमेरिका ने जो भारत पर अनावश्यक भारी टैरिफ लगाया था उसके विरोध में भारत ने चौतरफा कूटनीति नीति अपनाकर अमेरिका को मजबूर कर दिया है कि वह बराबरी का व्यापारिक रिश्ता बनाकर रखें अन्यथा अमेरिका भारत को खो सकता है। इसी श्रृंखला में भारत ने

यूरोपीय यूनियन के साथ जो बड़ा मदर ऑफ ऑल डील्स किया है वह मील का पत्थर साबित हुआ,इसके बाद ही डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के साथ समतुल्य टैरिफ पर व्यापारिक समझौते पर हस्ताक्षर किए है। भारत और अमेरिका का यह बराबरी का संबंध आने वाले वर्षों में अत्यंत महत्वपूर्ण व्यापारिक समझौता माना जाएगा। यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि पिछले एक दशक में भारत ने अपनी अंतरराष्ट्रीय इमेज को बहुत ही बहुआयामी निर्मित कर लिया है। भारत क्योंकि खनिज संपदा,हाइडल प्रोजेक्ट और वित्तीय संस्थानों के कारण एक मजबूत राष्ट्र बन कर उभरा है। भारत एशिया की आर्थिक तथा सामरिक शक्ति बन चुका है। इसके अलावा भारत एक शक्तिशाली युवा देश भी है जिसके श्रमबल की गुणवत्ता के सुधार की बड़ी संभावना है । भारतीय बैंकों में बचत की दर काफी ऊंची है और इसके अलावा मध्यमवर्गीय बचत से भारत में समृद्धि और विकास की अपार संभावनाएं मौजूद है। विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा जो कि इन दिनों तीसरी जी-20 वित्त मंत्रियों तथा केंद्रीय बैंक के गवर्नर ओं की बैठक में भाग लेने के लिए गांधीनगर गुजरात आए हुए हैं उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा है कि भारत में क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को मजबूत करने क्षेत्रीय समृद्धि को बढ़ावा देने और विकास के कार्यों को आगे बढ़ाने में सराहनीय कार्य किए हैं । अजय बंगा ने कहा कि विश्व बैंक भारत के आर्थिक रूप से वृद्धि को लेकर वे काफी आशावादी हैं और भारत को इन प्रयासों में तेजी लानी होगी। उन्होंने कहा कि भारत करोना महामारी के समय पैदा हुई चुनौतियों से मजबूत बनकर उभरा है और भारत वैश्विक स्तर पर कायम आर्थिक सुस्ती के बीच बहुत अच्छे कार्य कर रहा है जिसे उसे आगे रखने में काफी मदद मिलेगी। भारतीय अर्थव्यवस्था वैश्विक स्तर पर काफी सुस्ती होने के बावजूद अपने घरेलू उत्पाद की वजह से सुरक्षित है। भारत को चीन प्लस 1 रणनीति का फायदा उठाना चाहिए 3 प्लस 1 रणनीति का मतलब है कि अब दुनिया के विकसित देशों की कंपनियां अपने निर्माण केंद्र के तौर पर चीन के साथ किसी अन्य देश को भी जोड़ना चाहती है और वर्तमान समय में भारत देश ही एक संभावित विकल्प बनकर उभरा है भारत को इस रणनीति का अवसर 10 वर्षों तक नहीं खुला रहेगा यह अवसर केवल 3 से 5 वर्ष तक ही खुला रह सकता है जिसका भारत को पूरा फायदा उठाना चाहिए।

प्रसिद्ध अर्थशास्त्री मार्टिन वुल्फ ने तो स्पष्ट रूप से कहा है कि भारतीय अर्थव्यवस्था निश्चित रूप से दुनिया में तेजी से बढ़ती हुई एक ताकत बनकर उभर रहा है और यही संभावनाएं पश्चिमी देशों को भारत पर दांव लगाने के लिए आकर्षित कर रही है उन्होंने कहा कि भारत की बढ़ती जनसंख्या और उसकी बचत करने क्षमता को देखते हुए भारत आगामी एक या दो दशक में विश्व की तीसरी आर्थिक शक्ति बन सकता है ।

आखिर कब निकाले जाएंगे घुसपैठिए?

केवल चुनाव के समय ही चर्चा करना ठीक नहीं

राजीव सचान

जब बिहार विधानसभा के चुनाव हो रहे थे,तब बांग्लादेशी घुसपैठियों का मुद्दा उभरा था।उसके पहले झारखंड विधानसभा चुनाव के दौरान भी घुसपैठियों को बड़ा खतरा बताया गया था। चूंकि असम और पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव करीब आ रहे हैं, इसलिए एक बार फिर घुसपैठियों की चर्चा हो रही है। पिछले दिनों बंगाल गए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि राज्य में भाजपा की सरकार बन जाए तो घुसपैठियों को चुन-चुन कर निकाला जाएगा। इसके पहले उन्होंने असम में कहा था कि यदि इस राज्य में तीसरी बार भाजपा सरकार बन जाए तो घुसपैठियों को निकालने में देर नहीं होगी। इसका अर्थ है कि असम में पिछले लगभग दस वर्षों में बांग्लादेशी घुसपैठियों को निकालने का काम नहीं किया जा सका। हर किसी को पूछना चाहिए आखिर क्यों? यह ठीक नहीं कि केवल चुनाव के समय घुसपैठियों की चर्चा की जाए और फिर कुछ न किया जाए। इससे तो घुसपैठिए और उन्हें घुसाने वाले सतर्क ही होते होंगे। बांग्लादेशी घुसपैठियों से सर्वाधिक प्रभावित राज्यों में असम है। बांग्लादेशी असम के अलावा मेघालय और त्रिपुरा के रास्ते से भी घुससैठ करते हैं। फिल्म अभिनेता सैफ अली खान पर हमला करने वाला घुसपैठिया मेघालय के रास्ते ही मुंबई आया था। बांग्लादेशी घुसपैठिए सीमावर्ती राज्यों में घुसकर इसलिए दूसरे राज्यों में जाने में सफल रहते हैं,क्योंकि वे कोई न कोई फर्जी पहचान पत्र हासिल कर लेते हैं। इसके बाद उनका काम आसान हो जाता है। पूर्वोत्तर और बंगाल में घुसपैठ करने वाले बांग्लादेशी गुजरात,कर्नाटक और दिल्ली तक में बस गए हैं। यदा-कदा कुछ राज्य सरकारें उनकी पहचान करने का अभियान चलाती हैं,लेकिन अभी तक कोई अभियान प्रभावी नहीं सिद्ध हो सका है। आपरेशन सिंदूर के दौरान गुजरात में हजारों बांग्लादेशियों को पकड़ा गया था। यह स्वाभाविक ही है कि इस अभियान के समय तमाम बांग्लादेशी अन्य राज्यों में खिसक गए होंगे। जो कहानी बांग्लादेशी घुसपैठियों की है,वही रोहिंग्याओं की भी है। रोहिंग्या भी पूर्वोत्तर और बंगाल के रास्ते घुसपैठ करने के बाद जिस तरह दिल्ली, हैदराबाद और जम्मू तक में अपने ठिकाने बनाने में सफल हैं,उससे यह साफ है कि उन्हें भारत में लाने और बसाने का काम सुनियोजित तरीके से हो रहा है। इस काम में लिप्त लोग घुसपैठियों को फर्जी प्रमाणपत्र उपलब्ध कराने का भी काम करते हैं। ऐसा काम करने वाले बंगाल में खूब सक्रिय हैं। निःसंदेह घुसपैठ रोकना केंद्र सरकार की जिम्मेदारी है, लेकिन यह भी सही है कि यदि राज्य सरकारें इस काम में केंद्र का सहयोग नहीं करतीं तो घुसपैठियों की पहचान आसान नहीं। बंगाल सरकार का यह कहना तो ठीक है कि यदि घुसपैठ हो रही है तो उसके लिए केंद्र सरकार जिम्मेदार है, लेकिन केंद्र के इस सवाल का जवाब भी मिलना चाहिए कि राज्य प्रशासन की ओर से घुसपैठियों को लेकर कभी कोई शिकायत क्यों नही की जाती? तथ्य यह है कि बंगाल के किसी भी थाने से कोई ऐसी शिकायत नहीं मिलती कि बांग्लादेश से किसी ने अवैध तरीके से प्रवेश किया है।

शिकायत इसलिए भी नहीं मिलती, क्योंकि स्थानीय नेता घुसपैठियों को अपने वोट बैंक के रूप में देखते हैं। एक समय ममता बनर्जी घुसपैठ के खिलाफ आवाज उठाती थीं, लेकिन बंगाल की मुख्यमंत्री बनने के बाद से वे घुसपैठियों को चिह्नित करने की किसी भी पहल का विरोध करती हैं। मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण अर्थात एसआइआर के विरोध की एक बड़ी वजह यही आशंका है कि कहीं इससे घुसपैठियों की पहचान न हो जाए। बंगाल में एसआइआर की प्रक्रिया शुरू होते ही सैकड़ों बांग्लादेशी अपने देश लौटने लगे थे।

कुछ समय बाद उनके लौटने का सिलसिला थम गया। कोई भी समझ सकता है कि यह इसीलिए थमा, क्योंकि उन्हें यह भरोसा हो गया होगा कि इस कवायद से उनकी पहचान नहीं होने वाली। हैरानी नहीं कि उनके संरक्षक नेताओं ने ही उन्हें यह भरोसा दिलाया हो कि उन्हें घबराने की जरूरत नहीं। जो भी हो,इससे इन्कार नहीं कि भारत में बड़ी संख्या में बांग्लादेशी घुसपैठिए हैं। असम और बंगाल में तो उनकी इतनी संख्या हो गई है कि उन्होंने न केवल आबादी के संतुलन को बुरी तरह बिगाड़ दिया है,बल्कि वे कई क्षेत्रों में चुनाव परिणाम प्रभावित करने की स्थिति में आ गए हैं,क्योंकि वे छल-कपट से मतदाता बन गए हैं।

कविता

कार्तिकेय कुमार त्रिपाठी राम
इन्दौर,मध्यप्रदेश

मनका-मनका बोलेगा

असमंजस में मत रहना तुम,
भोले पार लगाएंगे,
मनका-मनका बोलेगा फिर,
मन का सार बताएंगे।
असमंजस में ...
नहीं कही कोई रोड़ा होगा,
मन भोले से जोड़ा होगा,
भक्ति का रस थोड़ा-थोड़ा,
मन पवन वेग-सा दौड़ा होगा।
असमंजस में ...
भाग लिखा किसका क्या जाने,
अंतस है क्या-क्या पहचाने,
भोले के रंग में जो डूबा,
गाएगा वो नए तराने।
असमंजस में ....
मात्राओं में बंधी नहीं है,
भोले की कोई सूरत,
जन-मन में जो छवि गढ़ी है,
वो ही है भोले की मूरत।
असमंजस में ....
आओ भोले की दुनिया में,
नाम उचारें भोले का,
मन भर की खुशियों में झूमें,
मनका बस एक भोले का।
असमंजस में ....

अनाथ आश्रम हो या वृद्धाश्रम

मुस्कान केशरी
मुजफ्फरपुर,बिहार

अनाथ आश्रम हो या वृद्धाश्रम,सब सिर्फ दिखावे के लिए चल रहा है इस आधुनिक युग में। ये बात इतने अच्छे तरीके से समझने के बाद मैं कह रही हूं। ज्यादातर लोग वृद्धाश्रम व अनाथ आश्रम के नाम पर बस लूट रहे है सभी को,कभी पैसे से तो कभी किसी वस्तु से। जी हां! मै इतने यकीन के साथ इसलिए कह रही रहूं क्योंकि मैने एक-दो बार नहीं बल्कि कई बार देखा है कि बाहर से आने वाले समाजसेवी जब भी कुछ लेकर जाते हैं बच्चों या वृद्धों के बीच,तो बस जब तक वो रहते हैं तब तक उन बच्चों या वृद्धों के पास रहता है उसके बाद उनसे छीन लिया जाता है। वजह ? कि उस आश्रम के मालिक उसे बेच सके या फिर अपने घर में रख सकें और ऐसे आश्रमों का विरोध करना चाहिए क्योंकि वो आने वाले युवा का भविष्य खराब कर रहे हैं। वो बच्चे अनाथ जरूर है लेकिन वो गलत शिक्षा के हकदार नहीं है। क्या सीखेंगे बच्चें,ऐसे अनाथ आश्रम में,जहां के मालिक ही झूठ बोलता हो, दिखावा करता हो और प्यार के जगह डांटता हो और उस बूढ़े मां-बाप के बारे में सोचिए जिसने अपना पूरा जीवन उन बच्चों के लिए लगा दिया। आज वही उन्हें इस वृद्धाश्रम में छोड़ कर चले गए और उनका अपना घर होते हुए भी दूसरे के वृद्धाश्रम में रहना पड़ रहा है। वैसे एक बात तो मै साफ-साफ बता देती हैं कि आज कल ज्यादातर समाजसेवी बस सोशल मीडिया के समाजसेवी है। लोगों से पैसे मांग-मांग बस अपना जेब गर्म करते हैं और लाइक, व्यूज़ के लिए वीडियो डाल देते हैं ताकि दोनों जगह से उनको पैसे ही पैसे मिल सकें। इस सब को देख-देखकर कभी कभी मैं सच में रो देती हूं। क्या? सच में कलयुग आ गया है, लोगों के अदंर प्यार,स्नेह, करुणा,दया भाव मर सी गई है क्या। बस अपने फायदे के लिए वो दूसरे का नुकसान कर रहे हैं। कृपया कभी किसी के साथ बुरा मत कीजिए।

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

-सम्पादक

संभाग में हाथियों का आतंक...पिछले 1 वर्ष में 25 लोगों की मौतें,5 घायल

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,08 फरवरी 2026
(घटती-घटना)।

सरगुजा संभाग में हाथियों का उत्पात लगातार बढ़ता जा रहा है। हाथियों के हमले में बीते 8 महीने के भीतर बड़ी संख्या में लोगों की मौत हुई है, वहीं कई लोग घायल भी हुए हैं। इसके साथ ही किसानों की फसलों को भी भारी नुकसान पहुंचा है। वन विभाग के आंकड़ों के अनुसार 1 अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 के बीच संभाग के विभिन्न जिलों में कुल 25 लोगों की मौत और 5 लोग घायल हुए हैं। इस दौरान हाथियों द्वारा करीब 628 हेक्टेयर से अधिक फसल को नुकसान पहुंचाया गया है। संभाग में सबसे अधिक घटनाएं अंबिकापुर जिले में दर्ज की गई हैं। यहां 8 घटनाओं में 8 लोगों की मौत हुई है। वहीं जशपुर जिले में 6 घटनाओं में 6 मौतें और 2 लोग घायल हुए हैं। वहीं बलरामपुर में भी 6 मौतें हुई है। इसके अलावा सूरजपुर में 4 व मनेन्द्रगढ़ में 1 मौत हुई है। यह आकड़े देखकर स्थिति काफी चिंताजनक है। हाथियों द्वारा फसल नुकसान के मामले में जशपुर जिला सबसे आगे है,

जहां 168.286 हेक्टेयर में फसल बर्बाद हुई। इसके बाद सूरजपुर में 165.309 हेक्टेयर नुकसान दर्ज किया गया। वहीं सरगुजा 122.368, बलरामपुर 142.042 हेक्टेयर फसल बर्बाद किए गए हैं।

ग्रामीणों में दहशत, सुरक्षा उपायों की मांग : लगातार हो रही मौतों और फसल नुकसान के चलते ग्रामीणों में डर का माहौल है। लोगों ने वन विभाग से हाथियों की निगरानी बढ़ाने और प्रभावित इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है।

646 मकानें किए गए क्षतिग्रस्त

हाथियों द्वारा केवल जन हानी व फसल नुकसान ही नहीं बिल्की लोगों के आसियाने को भी नुकसान पहुंचाया है। हाथियों ने सरगुजा जिले में 138, सूरजपुर में 184, बलरामपुर में 90, कारिया में 4, मनेन्द्रगढ़ में 19, जशपुर में 205 के अलावा एलीफेंट रिजर्व सरगुजा में 3, गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान में 3 मकानों को हाथियों ने क्षतिग्रस्त किया है।

सड़क पर निजी बोरवेल खनन,नगर निगम पर लापरवाही का आरोप

राम मंदिर रोड पर बिना अनुमति मशीन लगाकर कराया गया बोरवेल,हादसे की आशंका...

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,08 फरवरी 2026
(घटती-घटना)।

शहर के राम मंदिर रोड क्षेत्र में सडक़ पर निजी बोरवेल कराए जाने का मामला सामने आया है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि नगर निगम प्रशासन की अनुमति के बिना मशीन लगाकर बोरवेल का खनन कराया जा रहा है। बताया जा रहा है कि पिछले 24 घंटे से सडक़ पर लगातार बोरवेल की खुदाई चल रही है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों को इसकी भनक तक नहीं लगी। लोगों ने इसे गंभीर लापरवाही बताते हुए नगर निगम पर संरक्षण देने का भी आरोप लगाया है। स्थानीय नागरिकों की शिकायत के बाद नगर निगम का उडऩदस्ता दल मौके पर पहुंचा, लेकिन बिना किसी कार्रवाई के वापस लौट गया। इससे लोगों में नाराजगी बढ़ गई है। सडक़ के बीच बोरवेल होने से कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर निगम आयुक्त और एसडीएम के निर्देश के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। मामले में जल्द कार्रवाई की मांग की जा रही है।

अंबिकापुर के गोपाल सिंह ने भिलाई प्रतियोगिता में जीता गोल्ड

बॉडीबिल्डिंग में प्रथम स्थान,सरगुजा का नाम किया रोशन

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,08 फरवरी 2026
(घटती-घटना)।

शहर के युवा बॉडीबिल्डर गोपाल सिंह ने भिलाई में आयोजित बॉडीबिल्डिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर सरगुजा जिले का नाम रोशन किया है। उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उन्हें गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया। इस उपलब्धि से अंबिकापुर सहित पूरे संभाग में खुशी का माहौल है। गोपाल सिंह अंबिकापुर के गंगापुर तुलसी चौक के निवासी हैं। वे शहर में एक जिम का संचालन भी करते हैं और लंबे समय से युवाओं को फिटनेस व बॉडीबिल्डिंग के लिए प्रेरित कर रहे हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने कठिन परिश्रम, अनुशासन और निरंतर अभ्यास के बल पर अपनी अलग पहचान बनाई।

लगातार बेहतर रहा प्रदर्शन

गोपाल ने वर्ष 2022 में रायपुर प्रतियोगिता में ब्रॉन्ज मेडल जीता। 2023 में राजनांदगांव में सिल्वर मेडल प्राप्त किया। 2024 में कवर्धा में भी वे सिल्वर मेडल विजेता रहे। उज्जैन में आयोजित प्रतियोगिता में उन्होंने टॉप-10 में स्थान बनाकर अपनी क्षमता दिखाई। वर्ष 2026 में दल्ली राजहरा में आयोजित ऑल इंडिया ओपन प्रतियोगिता में उन्होंने सिल्वर मेडल जीतकर राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई। इसके बाद भिलाई मड़ई में आयोजित प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल किया। गोपाल की सफलता पर परिवार, मित्रों, शिष्यों और खेल प्रेमियों ने बधाई देते हुए इसे युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बताया है।

सरगुजा में इग्नू से खुल रहे शिक्षा के नए अवसर...घर बैठे पढ़ाई 333 कोर्स संचालित,जल्द शुरू होंगे एआई आधारित पाठ्यक्रम

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,08 फरवरी 2026
(घटती-घटना)।

सरगुजा जैसे आदिवासी और दूरस्थ क्षेत्र में उन लोगों के लिए शिक्षा की नई राह खुल रही है, जो समय पर नियमित पढ़ाई पूरी नहीं कर पाए। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) ने क्षेत्र में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने और घर बैठे अध्ययन की सुविधा को लेकर विशेष पहल शुरू की है। सरगुजा में इग्नू का अध्ययन एवं परीक्षा केंद्र केआर टेक्निकल कॉलेज में संचालित हो रहा है। इस संबंध में इग्नू के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. गौडा राजेंद्र ने महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। डॉ. राजेंद्र ने बताया कि इग्नू के माध्यम से वर्तमान में कुल 333 पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। इनमें सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, स्नातक, स्नातकोत्तर, पीजी डिप्लोमा सहित ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों प्रकार के कोर्स शामिल हैं। ज्योतिष और भगवद गीता जैसे पारंपरिक विषयों के साथ-साथ आधुनिक और रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम भी उपलब्ध हैं। उन्होंने बताया कि आने वाले छह महीनों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित टेक्नोलॉजी कोर्स भी शुरू किए जाएंगे।

सरगुजा में जागरूकता बढ़ाने पर जोर

देशभर में लगभग 33 लाख विद्यार्थी इग्नू से अध्ययन कर रहे हैं, लेकिन सरगुजा संभाग में अभी अपेक्षित जागरूकता नहीं है। इसी को देखते हुए विशेष प्रयास

घर तक पहुंचती है अध्ययन सामग्री

इग्नू में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को अध्ययन सामग्री सीधे घर तक भेजी जाती है। छात्रों को केवल परीक्षा के समय परीक्षा केंद्र में उपस्थित होना होता है। एसटी-एससी वर्ग के ऐसे विद्यार्थियों की वार्षिक आय ढाई लाख रुपये से कम होने पर बीए, बीएससी और बीकॉम में 50 प्रतिशत शुल्क छूट दी जा रही है।

जेल में बंद कैदियों के लिए निःशुल्क शिक्षा

डॉ. राजेंद्र ने बताया कि जेल में बंद कैदियों के लिए इग्नू द्वारा पूरी तरह निःशुल्क शिक्षा की व्यवस्था की गई है। परीक्षा केंद्र भी जेल परिसर में ही होता है। इस अवसर पर इग्नू सेंटर समन्वयक डॉ. रीनू जैन, केआर टेक्निकल कॉलेज के शासी निकाय उपाध्यक्ष राहुल जैन,प्राचार्य रितेश वर्मा,शासी निकाय अध्यक्ष एवं इग्नू केंद्र प्रमुख कांत दुबे सहित अन्य उपस्थित रहे।

किए जा रहे हैं। डॉ. राजेंद्र ने बताया कि इग्नू को नेक से ए प्लस-प्लस ग्रेड और एनआईआरएफ में टॉप रैंकिंग प्राप्त है। अध्ययन सामग्री की गुणवत्ता भी उच्च स्तर की होती है।

बिना आयु सीमा दूसरी डिग्री का भी मौका

इग्नू की खासियत यह है कि छात्र किसी अन्य कॉलेज में पढ़ाई करते हुए भी इग्नू से साथ-साथ दूसरी डिग्री प्राप्त कर सकते हैं। पीजीडीसीजे,साइबर लॉ और मास कम्युनिकेशन जैसे कोर्स युवाओं के लिए विशेष उपयोगी हैं। इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए कोई आयु सीमा नहीं है।

जिले के ग्राम पंचायतों में रोजगार दिवस व आवास दिवस का हुआ संयुक्त आयोजन

विकसित भारत जी-राम-जी योजना की दी गई विस्तृत जानकारी

-संवाददाता-
जशपुरनगर,08 फरवरी 2026
(घटती-घटना)।

कलेक्टर श्री रोहित व्यास के मार्गदर्शन एवं जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिषेक कुमार के निर्देशन में जिले के सभी ग्राम पंचायतों में रोजगार दिवस एवं आवास दिवस का संयुक्त आयोजन किया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को रोजगार, आजीविका एवं आवास से जुड़ी विभिन्न जनकल्याणकारी शासकीय योजनाओं की जानकारी प्रदान करना रहा। उल्लेखनीय है कि प्रत्येक माह की 7 तारीख को आयोजित होने वाला रोजगार दिवस शासन की योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाने, सुशासन एवं पारदर्शिता को बढ़ावा देने तथा ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का एक सशक्त माध्यम है। रोजगार दिवस के दौरान ग्रामीणों एवं मनरेगा श्रमिकों को विकसित भारत जी-राम-जी योजना के विभिन्न प्रावधानों की जानकारी दी गई। साथ ही ग्राम पंचायतों के सार्वजनिक स्थलों पर लगाए गए क्यूआर कोड को स्कैन

कर मनरेगा अंतर्गत स्वीकृत एवं संचालित कार्यों की जानकारी मोबाइल के माध्यम से प्राप्त करने हेतु ग्रामीणों को प्रेरित किया गया। क्यूआर कोड के माध्यम से योजनाओं की जानकारी सुलभ होने से कार्यों के क्रियान्वयन में पारदर्शिता एवं विश्वास और अधिक मजबूत हो रहा है।

विकसित भारत जी-राम-जी योजना पर विशेष चर्चा : कार्यक्रम के दौरान महात्मा गांधी नरेगा के स्थान पर नवीन योजना 'विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण)' अर्थात विकसित भारत जी-राम-जी के उद्देश्य, स्वरूप एवं लाभों की विस्तृत जानकारी दी गई। ग्रामीणों को बताया गया कि इस योजना के तहत रोजगार गारंटी को बढ़ाकर ग्रामीण परिवारों को 125 दिनों का सुनिश्चित रोजगार प्रदान किया जाएगा। साथ ही ग्राम पंचायत विकास योजना, बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण, मोबाइल आधारित निगरानी, बेरोजगारी भत्ता, जल सुरक्षा एवं जल संबंधी कार्यों को प्राथमिकता तथा मूलभूत ग्रामीण अधोसंरचना को सुदृढ़ करने जैसे प्रावधान शामिल हैं, जिससे सशक्त और आत्मनिर्भर ग्रामीण भारत का निर्माण किया जा सके। प्रधानमंत्री आवास योजना पर फोकस आवास दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अंतर्गत स्वीकृत आवासों की प्रगति की समीक्षा की गई। हितग्राहियों को निर्धारित समय-सीमा में अपने आवासों का निर्माण पूर्ण करने के लिए प्रेरित किया गया,ताकि प्रत्येक पात्र परिवार को सुरक्षित एवं पक्का आवास उपलब्ध कराया जा सके। इस संयुक्त आयोजन में मनरेगा श्रमिक,आवास हितग्राही,स्थानीय जनप्रतिनिधि, सरपंच, पंच,सचिव,ग्राम रोजगार सहायक,आवास मित्र सहित जनपद एवं जिला स्तर के अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के प्रयासों से 28.19 करोड़ रुपए की सड़क परियोजना को मिली स्वीकृति

-संवाददाता-
सूरजपुर,08 फरवरी 2026
(घटती-घटना)।

महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के सतत प्रयासों से भटगांव विधानसभा क्षेत्र को सड़क विकास की एक बड़ी सौगात मिली है। राज्य शासन द्वारा बीरपुर 12 मील हनुमान मंदिर (सिलफिली) से कालीघाट महावीरपुर (अंबिकापुर) तक राष्ट्रीय राजमार्ग-43 के डामरी मजबूतीकरण कार्य के लिए 28.19 करोड़ रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के नेतृत्व में क्षेत्र की आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। इस महत्वपूर्ण परियोजना के माध्यम से लंबे समय से जर्जर सड़क की समस्या का समाधान होगा तथा आमजन को सुरक्षित, सुगम और सुविधाजनक आवागमन की सुविधा मिलेगी। इस सड़क विकास कार्य से भटगांव विधानसभा सहित आसपास के क्षेत्रों में व्यापार, परिवहन और स्थानीय रोजगार के अवसरों को नई गति मिलेगी।

साथ ही अंबिकापुर जैसे प्रमुख शहरी केंद्र से संपर्क और अधिक मजबूत होगा, जिससे क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा मिलेगा।

मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि सुशासन सरकार की प्राथमिकता जनसुविधाओं का विस्तार और संतुलित विकास है। भटगांव विधानसभा के विकास के लिए सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में निरंतर प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं।

हजारों की ठगी करने वाला मुख्य आरोपी को पुलिस ने किया

गिरफ्तार,38 हजार रुपये नकद व मोटरसाइकिल जब्त

-संवाददाता-
राजपुर,08 फरवरी 2026
(घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के थाना राजपुर पुलिस ने भोले-भाले ग्रामीण किसान से 49 हजार रुपये की ठगी के मामले में फरार चल रहे दूसरे मुख्य आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से ठगी की गई राशि में से 18 हजार रुपये नकद एवं घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल जब्त की है। मामले में अब तक कुल 38 हजार रुपये की बरामदगी हो चुकी है। थाना प्रभारी भारद्वाज सिंह ने बताया कि 2 फरवरी 2026 को प्रार्थी निबल साय अपने पुत्र के साथ सहकारी बैंक राजपुर में धान बिक्री की राशि निकालने आया था। बैंक से 49 हजार रुपये नकद प्राप्त करने के बाद प्रार्थी अपने पुत्र का इंतजार करता रहा। पुत्र के नहीं लौटने पर वह अकेले पैदल अपने गांव डांड खडुआ की ओर रवाना हुआ।इसी दौरान रास्ते में मोटरसाइकिल सवार दो अज्ञात युवक उससे मिले। उन्होंने पहले तंबाकू मांगा और फिर उसके बेटे का नाम पूछकर उससे परिचय होने का झांसा दिया। ग्रामीण की सरलता का फायदा उठाते हुए आरोपियों ने प्रार्थी के बेटे का परिचित होने और गांव तक छोड़ने की बात कहकर उससे कपड़े में बंधे 49 हजार रुपये अपने पास ले लिए। कुछ दूरी पर दुकान से सामान लेने का

बहाना बनाकर दोनों आरोपी रुपये लेकर फरार हो गए। घटना की सूचना उसी दिन देर रात प्रार्थी द्वारा अपने पुत्र के साथ थाना राजपुर में दी गई, जिस पर अपराध क्रमांक 25/2026 धारा 318(4), 3(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक बलरामपुर वैभव बैंकर के निर्देश पर थाना प्रभारी राजपुर द्वारा विशेष टीम गठित की गई। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की, जिसमें प्रार्थी को मोटरसाइकिल पर ले जाते हुए फुटेज प्राप्त हुई। फुटेज के आधार पर पहले आरोपी जेल कुमार पिता रामलाल (27 वर्ष), निवासी ग्राम तुंगा, थाना लखनपुर, जिला सरगुजा को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 20 हजार रुपये जब्त किए गए थे। इसके बाद फरार चल रहे शातिर आरोपी राम सिंह पिता नान साय (27 वर्ष), निवासी ग्राम तुंगा, थाना लखनपुर, जिला सरगुजा को 7 फरवरी 2026 को गिरफ्तार किया गया। उसके कब्जे से 18 हजार रुपये नकद एवं घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल क्रमांक CG-15-ED-5697 जब्त की गई। पूछताछ में आरोपी राम सिंह ने अपराध स्वीकार करते हुए बताया कि उसका साथी जेल कुमार पूर्व में भी थाना लखनपुर क्षेत्र में इसी तरह की ठगी के मामले में जेल जा चुका है।

आज से लगेगा कलेक्टर जनदर्शन

-संवाददाता-
सूरजपुर,08 फरवरी 2026
(घटती-घटना)।

कलेक्टर जनदर्शन के समय में संशोधन किया गया है, 09 फरवरी से जनदर्शन मंगलवार की जगह प्रत्येक सोमवार को आयोजित किया जायेगा। इसके साथ ही समय-सीमा, राजस्व, कानून व्यवस्था, सड़क सुरक्षा समिति, NCORD, छत्तीसगढ़ कोलाहल नियंत्रण अधिनियम और दोषमुक्ति प्रकरणों की समीक्षा/ पास्को अधिनियम के तहत दर्ज प्रकरणों के सम्बंध में जिला स्तरीय निगरानी समिति की बैठक भी प्रत्येक सोमवार को अपने पूर्व निर्धारित समय से आयोजित की जायेगी। जिला प्रशासन की आमजन से अपील है कि जनदर्शन के लिए सोमवार को अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करें।

कुदरत का अनमोल खजाना....सरगुजा की वादियों में बिखरे जन्नत के नजारे

सोनहत से कुदरगढ़ तक-सरगुजा की धरती पर प्रकृति,आस्था और रोमांच का संगम

- ड्रोन की नज़र से सरगुजाः झरनों, पहाड़ों और बांधों का विहंगम सफर
- हरियाली की गोद में सरगुजा-जहाँ हर मोड़ पर मिलता है सुकून
- बालमगढ़ी की ऊँचाइयाँ, अमृतधारा की फुहारें... पर्यटन का नया स्वर्ग बना

- वादियों में सुकून,झरनों में संगीत-सरगुजा बुला रहा है पर्यटकों को
- नीले बांध,दूधिया जलप्रपात और आस्था की ऊँचाइयाँ-सरगुजा की खास पहचान
- प्रकृति का पोस्टकार्ड बना सरगुजा संभाग,ड्रोन व्यू में दिखी स्वर्ग सी तस्वीर

राजन पाण्डेय

कोरिया/सूरजपुर/सरगुजा 08 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ का उत्तरी छोर यानी सरगुजा संभाग इन दिनों अपनी प्राकृतिक आभा, आस्था और रोमांचक पर्यटन स्थलों की वजह से खास पहचान बना रहा है, कोरिया और सूरजपुर जिले की हरियाली, पहाड़ों की ऊँचाई, जलप्रपातों की दूधिया फुहारें और शांत जलाशयों का नीला विस्तार पर्यटकों को सुकून और रोमांच दोनों का अनुभव कराते हैं,ड्रोन कैमरे से कैद किए गए दृश्य इन स्थानों की भव्यता को और भी जीवंत बना देते हैं,सोनहत की सर्पिलाकार सड़कों से लेकर अमृत धारा के जलप्रपात तक, यहाँ हर मोड़ पर प्रकृति का अलग ही रूप दिखाई देता है।

'यहाँ की सड़कें सिर्फ मंजिल तक नहीं ले जातीं,बल्कि सफर को ही यादगार बना देती हैं।

सोनहत की वादियाँ और शिवघाट की घुमावदार सड़कें

हरी-भरी पहाड़ियों के बीच से गुजरती सोनहत की सर्पिल सड़कें ऊपर से देखने पर किसी कलाकृति जैसी दिखाई देती हैं, रोमांच पसंद यात्रियों के लिए यह रास्ता जितना खूबसूरत है, उतना ही यादगार भी। हर मोड़ पर बदलता दृश्य पर्यटकों को रुककर प्रकृति को महसूस करने पर मजबूर कर देता है।

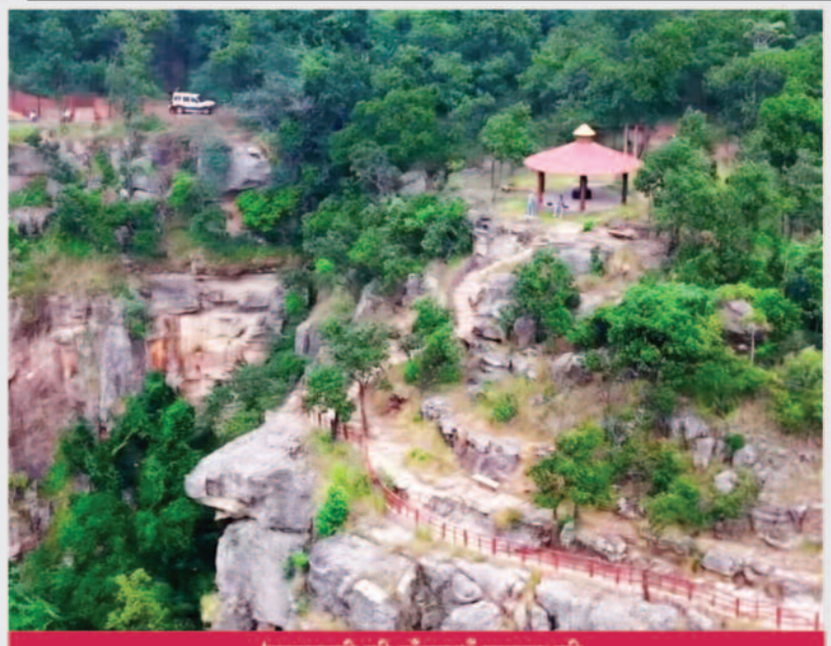

'बालमगढ़ी की ऊँचाइयाँ सरगुजा की प्राकृतिक विरासत की सबसे खूबसूरत पहचान हैं।

बालमगढ़ी-बादलों को छूती ऊँचाइयाँ

बालम पहाड़ या बालमगढ़ी इतिहास और रोमांच का अनूठा मेल है। प्राचीन किलों के अवशेष और ऊँचाई से दिखता विहंगम दृश्य ट्रेकर्स और फोटोग्राफरों के लिए स्वर्ग जैसा अनुभव देता है, यहाँ खड़े होकर दूर तक फैली हरियाली को देखना किसी फिल्मी दृश्य से कम नहीं लगता।

अमृत धारा जलप्रपात -दूधिया फुहारों का जादू

हसदेव नदी पर स्थित अमृत धारा जलप्रपात जब ऊँचाई से गिरता है तो सफेद धुंध का ऐसा दृश्य बनता है जो मन को सुकून से भर देता है। ड्रोन से लिया गया टॉप व्यू यहाँ के रौद्र और शांत दोनों रूपों को एक साथ दर्शाता है।

अमृत धारा सिर्फ जलप्रपात नहीं,बल्कि प्रकृति की एक जीवंत कविता है।

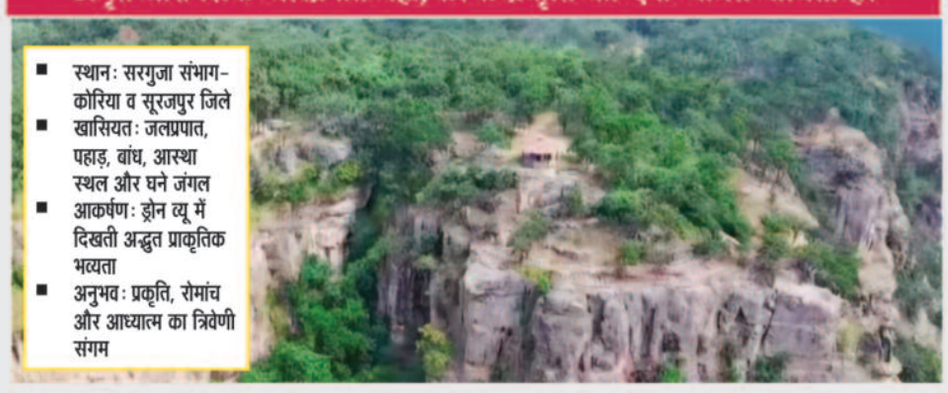

- स्थानः सरगुजा संभाग-कोरिया व सूरजपुर जिले
- खासियतः जलप्रपात, पहाड़, बांध, आस्था स्थल और घने जंगल
- आकर्षणः ड्रोन व्यू में दिखती अद्भुत प्राकृतिक भव्यता
- अनुभवः प्रकृति, रोमांच और आध्यात्म का त्रिवेणी संगम

पर्यटन के नक्शे पर उभरता सरगुजा

सरगुजा संभाग आज प्राकृतिक विविधता,धार्मिक आस्था और रोमांचक पर्यटन स्थलों के कारण तेजी से लोकप्रिय हो रहा है,ड्रोन व्यू ने इन स्थानों की भव्यता को नई पहचान दी है,यदि पर्यटन सुविधाओं का और विकास हुआ तो यह क्षेत्र राष्ट्रीय ही नहीं,अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी अलग छवि बना सकता है।

फीचर की समापन हाईलाइट

'सोनहत की सर्पिल सड़कें,अमृत धारा की फुहारें और कुदरगढ़ की आस्था-सरगुजा की धरती सचमुच कुदरत का वह अनमोल खजाना है,जहाँ हर नजर को जन्नत का एहसास होता है।'

आस्था के धाम-सारा सोरों और कुदरगढ़

सूरजपुर जिले के सारा सोरों शिव मंदिर और कुदरगढ़ धाम धार्मिक पर्यटन के प्रमुख केंद्र हैं। ऊँची पहाड़ी पर बसे मंदिर और नीचे फैला हरियाली का विस्तार ड्रोन कैमरे में किसी दैवीय चित्र जैसा नजर आता है। श्रद्धालु यहाँ आस्था के साथ-साथ प्रकृति का भी आनंद लेते हैं।

नीले पानी का यह विस्तार शहर की भागदौड़ से दूर सुकून का ठिकाना है।

'यहाँ से बहती हसदेव सिर्फ नदी नहीं, बल्कि सरगुजा की जीवनधारा है।'

हसदेव उद्गम स्थल-प्रकृति और आध्यात्म का संगम

घने जंगलों के बीच स्थित हसदेव नदी का उद्गम स्थल प्रकृति और आध्यात्म का अनूठा संगम है। नया शिव मंदिर और शांत जलकुंड इस स्थान को आध्यात्मिक पर्यटन की नई पहचान देते हैं।

झुमका बांध और पिलखा डेम-नीले जल का विस्तार

बैकुंठपुर का झुमका बांध अपने नीले पानी और विकसित पार्कों के कारण पर्यटकों का पसंदीदा स्थल बन चुका है। वहीं पिलखा डेम का शांत वातावरण पिकनिक और फोटोग्राफी के लिए आदर्श है, ऊपर से देखने पर ये जलाशय किसी विशाल नीलम की तरह चमकते नजर आते हैं।

केनापारा-खदान से पर्यटन तक का सफर

विश्रामपुर का केनापारा क्षेत्र कभी कोयला खदान था, लेकिन आज यह वाटर एडवेंचर का नया हब बन चुका है। नीले पानी में चलती नावें और चारों ओर विकसित हरियाली इंसानी प्रयास और प्रकृति के पुनर्जन्म की कहानी कहती हैं।

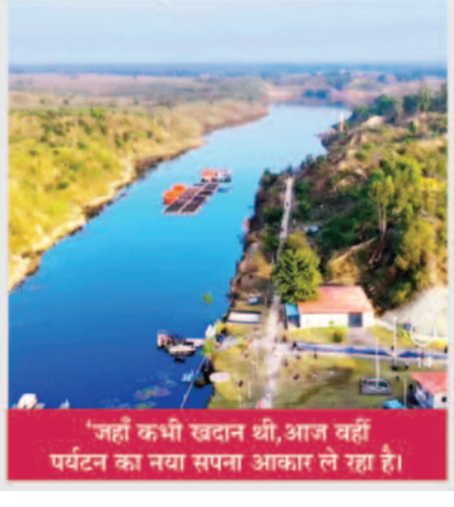

'जहाँ कभी खदान थी,आज वहीं पर्यटन का नया सपना आकार ले रहा है।

घोटाले,एफआईआर और वही जिम्मेदारी!

शिवप्रसादनगर धान खरीदी केंद्र पर उठे बड़े सवाल

नामजद आरोपी ही संभाल रहे खरीदी केंद्र –सूरजपुर में धान माफिया पर फिर बहस तेज

कर्मचारी जेल गए, बड़े नाम गायब? शिवप्रसादनगर के घोटालों ने खोली सिस्टम की परतें

बीमा से पशुपालन ऋण तक करोड़ों का खेल – एफआईआर में कुछ नाम,चर्चा में कुछ और

पुलिस से बचे, इनकम टैक्स के घेरे में? शिवप्रसादनगर घोटाले पर नए सवाल

शासन बदनाम, माफिया आराम? धान खरीदी केंद्र की जिम्मेदारी पर विवाद

एफआईआर के पन्नों से गायब नाम–सूरजपुर के घोटालों पर बड़ा सवाल

शिवप्रसादनगर धान खरीदी केंद्र के घोटाले पर बड़ा सवाल–एफआईआर में कर्मचारी,चर्चा में करोड़ों के लेन-देन और 'धान माफिया' का नाम

-ओंकार पाण्डेय-

सूरजपुर,08 फरवरी 2026 (घटती-घटना)। जिले का शिवप्रसादनगर धान खरीदी केंद्र पिछले कुछ वर्षों से लगातार विवादों में रहा है, फसल बीमा भुगतान से लेकर पशुपालन ऋण वितरण तक कई मामलों में करोड़ों रुपये की अनियमितता के आरोप सामने आए, हर बार एफआईआर दर्ज हुई, कर्मचारी आरोपी बने, लेकिन स्थानीय स्तर पर यह सवाल उठता रहा कि कथित बड़े नाम जांच के दायरे में क्यों नहीं दिखाई देते, शिवप्रसादनगर धान खरीदी केंद्र से जुड़े मामलों ने प्रशासनिक जवाबदेही और जांच की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं, एफआईआर में नामजद कर्मचारियों की जिम्मेदारी जारी रहने और कथित बड़े नेटवर्क की चर्चाओं के बीच अब सबकी नजर इस बात पर है कि जांच एजेंसियां आगे क्या कदम उठाती हैं।

जांच और पारदर्शिता पर उठे सवाल

शिवप्रसादनगर धान खरीदी केंद्र से जुड़े इस मामले ने यह बहस छेड़ दी है कि क्या आर्थिक अपराधों में सभी जिम्मेदारों तक जांच समान रूप से पहुंचती है। प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि किसी भी व्यक्ति को आरोपी बनाने के लिए ठोस साक्ष्य जरूरी होते हैं, जबकि आलोचकों का आरोप है कि प्रभावशाली लोगों के नाम अक्सर जांच के दौरान पीछे रह जाते हैं।

शाखा प्रबंधक के बयान में आए अन्य नाम

स्थानीय चर्चाओं के अनुसार तत्कालीन शाखा प्रबंधक जगदीश कुशवाहा ने कथित तौर पर लिखित में कुछ खातों का उल्लेख किया था और राशि वापस लाने की बात कही थी, इनमें हदीस और जियाउल हक जैसे नामों की चर्चा भी हुई, लेकिन आधिकारिक एफआईआर में इन व्यक्तियों को आरोपी नहीं बनाया गया, पुलिस का कहना रहा कि कार्रवाई केवल उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर ही की गई।

जेल गए कर्मचारी,लेकिन सवाल बरकरार...

इस मामले में कार्रवाई होने के बाद कुछ कर्मचारियों को जेल भी जाना पड़ा और नौकरी पर असर पड़ा। वहीं स्थानीय लोगों का आरोप है कि कथित बड़े नेटवर्क पर कार्रवाई नहीं होने से सवाल खड़े होते हैं, हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि जांच एजेंसियों द्वारा सार्वजनिक रूप से नहीं की गई है।

फसल बीमा मामला-तीन नामजद,अन्य नामों की चर्चा

वर्ष 2021 में फसल बीमा भुगतान को लेकर विवाद सामने आया, आरोप था कि कुछ किसानों को मिलने वाली राशि लाभार्थियों तक नहीं पहुंची और कथित तौर पर अन्य खातों में चली गई,इस मामले में पुलिस ने जगदीश कुशवाहा, सूबेदार सिंह,सुनील यादव को आरोपी बनाया, हालांकि स्थानीय चर्चाओं में हदीस और जियाउल हक जैसे नामों का भी उल्लेख किया जाता रहा,लेकिन आधिकारिक एफआईआर में इनका नाम शामिल नहीं हुआ,पुलिस का कहना रहा कि कार्रवाई उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर की गई।

पशुपालन ऋण घोटाला-1.88 करोड़ का आरोप

साल 2023 में सामने आए पशुपालन ऋण मामले में लगभग 1 करोड़ 88 लाख रुपये से अधिक की अनियमितता का आरोप लगा, जांच प्रतिवेदन के बाद अजीत सिंह,साधना कुशवाहा,मन्नू लाल के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई,आरोप है कि 71 हितग्राहियों के नाम पर ऋण स्वीकृत हुआ, लेकिन जमीन पर पशुपालन गतिविधि नहीं दिखी,मामला अभी जांच और न्यायिक प्रक्रिया में बताया जा रहा है।

नामजद होने के बावजूद खरीदी केंद्र की जिम्मेदारी

स्थानीय स्तर पर यह चर्चा तेज है कि पशुपालन ऋण मामले में नामजद रहे साधना कुशवाहा और मन्नू लाल को ही शिवप्रसादनगर धान खरीदी केंद्र की जिम्मेदारी दी गई है,किसानों और क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि इससे पारदर्शिता पर सवाल उठते हैं,प्रशासनिक सूत्रों का तर्क है कि जब तक अदालत से दोष सिद्ध नहीं होता,तब तक जिम्मेदारी से हटाना जरूरी नहीं होता।

पुलिस केस से बाहर,आयकर कार्रवाई की चर्चा

सूत्रों और दस्तावेजों के हवाले से यह भी दावा किया जा रहा है कि कथित तौर पर हदीस,चिरागुद्दीन,जियाउल और सादिक से जुड़े खातों में करोड़ों रुपये का लेन-देन हुआ,बताया जा रहा है कि करीब 50 करोड़ रुपये तक की राशि विभिन्न खातों में पहुंची और आयकर विभाग द्वारा कार्रवाई की गई,स्थानीय स्तर पर 13.5 करोड़ रुपये की रिकवरी और अन्य लोगों पर बकाया राशि की चर्चा है,हालांकि इन दावों की आधिकारिक पुष्टि सार्वजनिक रूप से नहीं की गई है।

कर्मचारी आरोपी, 'धान माफिया' चर्चा में-आखिर क्यों?

जिले में यह सवाल लगातार उठ रहा है कि हर बड़े आर्थिक अपराध में छोटे स्तर के कर्मचारी ही आरोपी क्यों बनते हैं,आलोचकों का कहना है कि योजनाओं का पैसा बिना बड़े नेटवर्क के इधर-उधर नहीं जा सकता, जबकि प्रशासन का तर्क है कि कानून केवल प्रमाणित साक्ष्यों के आधार पर ही आगे बढ़ता है।

किसानों की योजनाएं और भरोसे का संकट

फसल बीमा और पशुपालन ऋण जैसी योजनाएं किसानों को आर्थिक सुरक्षा देने के लिए बनाई गई हैं, लेकिन जब अनियमितता के आरोप सामने आते हैं तो किसानों का भरोसा कमजोर पड़ता है और शासन की छवि पर भी असर पड़ता है,शिवप्रसादनगर केंद्र को लेकर भी यही सवाल उठ रहे हैं कि क्या इस बार जांच असली जिम्मेदारों तक पहुंचेगी।

सोनहत में बहेगी शिव भक्ति की गंगा:मिनी स्टेडियम में आज से 'श्री शिव महापुराण कथा' का भव्य शुभारंभ

विधायक रेणुका सिंह के सान्निध्य में जुटेगी श्रद्धालुओं की भीड़, वृंदावन के आचार्य विनय कान्त त्रिपाठी सुनाएंगे शिव महिमा

तिथि एवं दिन	प्रमुख प्रसंग / कार्यक्रम
09 फरवरी (सोमवार)	भव्य कलश यात्रा, कथा माहात्म्य एवं शिवलिंग पूजा
10 फरवरी (मंगलवार)	शिव नैवेद्य एवं रुद्राक्ष महिमा का वर्णन
11 फरवरी (बुधवार)	कामरति चरित्र एवं माता सती चरित्र प्रसंग
13 फरवरी (गुरुवार)	कर्तिकेर अवतार एवं हनुमान जन्मोत्सव
13 फरवरी (शनिवार)	शिव-पार्वती विवाह महोत्सव (विशेष आयोजन)
16 फरवरी ([illegible])	[illegible]

सात दिन,सात उत्सव-हर दिन बनेगा पर्व

9 फरवरी कलश यात्राः हजारों महिलाओं की सहभागिता से सोनहत की सड़कों पर केसरिया रंग बिखरेगा।

शिव पार्वती विवाह महोत्सवः पारंपरिक गीतों और झाकियों के साथ पूरा पंडाल बाराती बनेगा।

ज्योतिर्लिंग महिमा दिवसः कथा के माध्यम से भारत के 12 ज्योतिर्लिंगों के दर्शन का आध्यात्मिक अनुभव।

हनुमान,गणेश और कार्तिकेय उत्सवः विशेष झांकियों के साथ जन्मोत्सव प्रसंगों की प्रस्तुति।

-राजन पाण्डेय-

कोरिया,08 फरवरी 2026 (घटती-घटना)। वनांचल की पावन धरती सोनहत इन दिनों पूरी तरह शिवमय होने जा रही है, महादेव सेवा समिति के बैनर तले 09 फरवरी से 16 फरवरी 2026 तक आयोजित होने वाली 'श्री शिव महापुराण कथा' केवल धार्मिक आयोजन ही नहीं, बल्कि क्षेत्र की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक चेतना का महाकुंभ बनने जा रही है, मिनी स्टेडियम ग्राउंड में होने वाले इस सात दिवसीय आयोजन को लेकर पूरे क्षेत्र में उत्साह का माहौल है और श्रद्धालुओं के बड़ी संख्या में जुटने की संभावना जताई जा रही है।

इनका कहना है...

परम पूज्य आचार्य जी के श्रीमुख से शिव कथा का श्रवण करना सौभाग्य की बात है। मैं क्षेत्रवासियों से आग्रह करती हूँ कि इस आध्यात्मिक महोत्सव में शामिल होकर इसे ऐतिहासिक बनाएं।

श्रीमती रेणुका सिंह,
विधायक भरतपुर-सोनहत

आस्था और नेतृत्व का संगम

इस भव्य आयोजन की मुख्य संरक्षक भरतपुर-सोनहत विधायक एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री श्रीमती रेणुका सिंह हैं। उनकी विशेष पहल और मार्गदर्शन में आयोजन समिति ने हजारों श्रद्धालुओं के लिए बैठने, सुरक्षा और जनसुविधाओं के व्यापक इंतजाम किए हैं, विधायक का मानना है कि ऐसे धार्मिक आयोजनों से समाज में संस्कारों का संचार होता है और नई पीढ़ी अपनी संस्कृति से जुड़ती है। क्षेत्र में चर्चा है कि इस आयोजन से सोनहत एक बड़े आध्यात्मिक केंद्र के रूप में नई पहचान बना सकता है।

वृंदावन से आएगी दिव्य वाणी-

कथा के मुख्य वक्ता के रूप में श्रीधाम वृंदावन से पधार रहे आचार्य श्री विनय कान्त त्रिपाठी जी अपनी मधुर वाणी से शिवपुराण की गूढ़ कथाओं को सरल और जीवनोपयोगी तरीके से प्रस्तुत करेंगे, प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक चलने वाली कथा में आधुनिक साउंड सिस्टम और विशाल एलईडी स्क्रीन की व्यवस्था की गई है, ताकि अंतिम पंक्ति में बैठा श्रद्धालु भी कथा का पूरा आनंद ले सके।

भंडारा और सेवा व्यवस्था

महादेव सेवा समिति ने प्रतिदिन रात्रि में प्रसाद वितरण और भंडारे की व्यवस्था की है। समापन दिवस 16 फरवरी को विशाल भंडारा आयोजित होगा, जिसमें कोरिया जिले सहित आसपास के क्षेत्रों से श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। पेयजल, चिकित्सा सुविधा और पार्किंग व्यवस्था के लिए स्वयंसेवकों की बड़ी टीम तैनात की गई है।

विधायक ने लिया तैयारियों का अंतिम जायजा

विधायक श्रीमती रेणुका सिंह ने आयोजन स्थल पहुंचकर कथा पंडाल, मंच, बैठक व्यवस्था और वीआईपी दीर्घा का निरीक्षण किया। उन्होंने सुरक्षा, पेयजल और पार्किंग व्यवस्था को लेकर समिति को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और कहा कि दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए।

न्यायालय तहसीलदार लटोरी जिला-सूरजपुर,छ0ग0

रा0प्र0क्र0... ब/121 वर्ष
ग्राम-अखोराकला, प0ह0न0.....

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक वसंत सांडिल्य आ0 स्व. देवी राम जाति गोंड,निवासी ग्राम अखोराकला प0ह0न0......रा0नि0म0.... तहसील लटोरी जिला सूरजपुर (छ0ग0) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के पिता स्व0 देवी राम का मृत्यु दिनांक 01-5-2009 को ग्राम अखोराकला में हुई है। अज्ञानतावश मृत्यु पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत अखोराकला को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 24-2-2026 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 03/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर जारी किया गया ।
पेशी दिनांक -24/02/26
जारी दिनांक-03/02/26

सील

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
तहसील-लटोरी
जिला-सूरजपुर,छ0ग0

'वर्दी,मंच और 'सवाल दस हजार'-बैकुंठपुर में एएसआई राजीव गुप्ता की एंकरिंग ने खड़े किए अनुशासन,अनुमति और साइबर सुरक्षा के बड़े सवाल'

वर्दी के पीछे वाले व्यक्ति की हॉट सीट! 'सवाल दस हजार' में एंकर बने एएसआई पर उठे सेवा नियमों के सवाल

अनुशासन बनाम स्पॉटलाइट -बैकुंठपुर में पुलिसकर्मी की एंकरिंग से गरमाई बहस

क्विज शो की चमक या नियमों की अनदेखी? 'सवाल दस हजार' बना चर्चा का केंद्र

हॉट सीट पर वर्दी, सवालों में सिस्टम–एएसआई की एंकरिंग ने बढ़ाई हलचल

टीवी स्टाइल मंच पर पुलिसिया अंदाज़,बैकुंठपुर में सेवा आचरण पर बड़ा सवाल

जब वर्दी बनी एंकर – 'सवाल दस हजार' ने खोल दी अनुशासन की असली परीक्षा

1 स्टेज की रोशनी में वर्दी के पीछे व्यक्ति–सामाजिक कार्यक्रम या सेवा नियमों की चुनौती

1 अनुमति की लाइफलाइन या नियमों की हार? एएसआई की एंकरिंग से खड़ा हुआ विवाद

कौन बनेगा एंकरपति? बैकुंठपुर में क्विज शो से ज्यादा चर्चा में पुलिस विभाग,क्विज,कैमरा और वर्दी – 'सवाल दस हजार' ने बढ़ाए साइबर और अनुशासन के सवाल

आयोजन सही,भूमिका विवादित

श्री राधे सोशल वेलफेयर सोसाइटी द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम कई लोगों के अनुसार सकारात्मक पहल थी, सामान्य ज्ञान प्रतियोगिताएं युवाओं को मंच देती हैं और सामाजिक माहौल को सकारात्मक बनाती हैं, लेकिन इसी कार्यक्रम में पुलिसकर्मी का एंकर बनना चर्चा का केंद्र बन गया है, कुछ लोग कहते हैं कि अगर वही पुलिसकर्मी मुख्य अतिथि या दर्शक के रूप में मौजूद होते तो शायद विवाद इतना बड़ा नहीं होता।

-रवि सिंह-

कोरिया,08 फरवरी 2026 (घटती-घटना)। कोरिया जिले में इन दिनों एक तस्वीर ने जितनी चर्चा बटोरी है,उतनी शायद किसी आधिकारिक आदेश ने भी नहीं बटोरी होगी, तस्वीर में पुलिस अधीक्षक कार्यालय में पदस्थ सहायक उप निरीक्षक (एएसआई) राजीव गुप्ता एक निजी संस्था श्री राधे सोशल वेलफेयर सोसाइटी, बैकुंठपुर द्वारा आयोजित क्विज प्रतियोगिता सवाल दस हजार में एंकर की भूमिका निभाते नजर आ रहे हैं, मंच की साज-सज्जा,सामने लगी स्क्रीन,लाइफलाइन जैसे विकल्प और सवाल पूछने का अंदाज़,सब कुछ किसी लोकप्रिय टीवी क्विज शो की तर्ज पर दिखाई देता है, कार्यक्रम का उद्देश्य भले ही प्रतिभाओं को मंच देना और सामान्य ज्ञान बढ़ाना बताया जा रहा हो, लेकिन जैसे ही तस्वीर सामने आई,शहर में एक नया सवाल गूंजने लगा,क्या पुलिस विभाग जैसे अनुशासनात्मक संस्थान से जुड़े कर्मचारी का इस तरह निजी मंच पर एंकर बनना सेवा आचरण नियमों के अनुरूप है?

अनुशासन का विभाग और मंच की चमक

पुलिस विभाग को हमेशा से सख्त अनुशासन और नियमों के पालन के लिए जाना जाता है, पुलिस सेवा को 24 घंटे की जिम्मेदारी वाला पेशा माना जाता है, जहां कर्मचारी ड्यूटी से बाहर भी विभागीय मर्यादा से बंधा रहता है, जानकारों के अनुसार सामान्यतः किसी भी पुलिसकर्मी को निजी संस्था के कार्यक्रम में सक्रिय भूमिका निभाने से पहले विभागीय अनुमति लेना जरूरी होता है, यहीं से विवाद की शुरुआत होती है, स्थानीय स्तर पर यह चर्चा है कि क्या इस कार्यक्रम के लिए पूर्व अनुमति ली गई थी या नहीं, आधिकारिक तौर पर इसकी पुष्टि सामने नहीं आई है, लेकिन शहर में व्यंग्यात्मक चर्चाएं तेज हैं,अगर अनुमति बाद में मिल जाए, तो फाइल भी शायद हॉट सीट जीत जाती है।

टीवी शो की तर्ज पर मंच,नियमों की परीक्षा

सवाल दस हजार कार्यक्रम का पूरा स्वरूप टीवी क्विज शो जैसा दिखा, प्रतिभागी हॉट सीट पर बैठे, एंकर सवाल पूछते नजर आए और विजेताओं को पुरस्कार भी दिए गए,यह सब देखने के बाद लोगों के बीच दो तरह की राय सामने आई, एक वर्ग का कहना है कि सामाजिक कार्यक्रमों में पुलिसकर्मियों की भागीदारी समाज और प्रशासन के बीच दूरी कम करती है,वहीं दूसरा वर्ग सवाल उठा रहा है कि क्या यह भागीदारी केवल अतिथि के रूप में होनी चाहिए थी या एंकर जैसी सक्रिय भूमिका निभाना सही था? व्यंग्य में लोग कहते सुने गए –÷अब अपराधियों से पूछताछ कम और क्विज के सवाल ज्यादा पूछे जाएंगे क्या?÷

अनुमति का 'करोड़पति सवाल'

पूरे मामले का सबसे बड़ा मुद्दा यही बन गया है कि क्या एएसआई राजीव गुप्ता ने इस कार्यक्रम के लिए विभागीय अनुमति ली थी, सूत्रों के स्तर पर कई तरह की बातें कही जा रही हैं, लेकिन अभी तक विभाग की ओर से कोई स्पष्ट बयान सामने नहीं आया है, कुछ लोगों का कहना है कि अगर अनुमति नहीं ली गई थी तो यह सेवा आचरण नियमों का उल्लंघन माना जा सकता है, वहीं समर्थक पक्ष यह भी कहता है कि कई बार सामाजिक कार्यक्रमों में पुलिसकर्मी अनौपचारिक रूप से शामिल होते हैं और इसे सकारात्मक सहभागिता के रूप में देखा जाना चाहिए, लेकिन सवाल यही है क्या नियम भी कार्यक्रम के माहौल के अनुसार बदलते हैं, या सभी पर समान रूप से लागू होते हैं?

साइबर सुरक्षा पर उठी नई चिंता

इस विवाद का एक अहम पहलू साइबर क्राइम से भी जुड़ता दिख रहा है, जिले में पुलिस लगातार ऑनलाइन ठगी और डिजिटल अपराधों के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाती रही है, ऐसे में कुछ लोगों की चिंता है कि कहीं भविष्य में कोई असामाजिक तत्व ***सवाल दस हजार*** या किसी पुलिस अधिकारी के नाम का इस्तेमाल कर लोगों को भ्रमित न करे, हालांकि अभी तक किसी ठगी की घटना सामने नहीं आई है,लेकिन यह आशंका जरूर जताई जा रही है कि सार्वजनिक मंचों पर पुलिसकर्मियों की मौजूदगी का गलत फायदा उठाया जा सकता है, साइबर अपराधियों के तरीके लगातार बदल रहे हैं और वे भरोसेमंद नामों का सहारा लेकर लोगों को निशाना बनाते रहे हैं।

प्रतिभा का प्रदर्शन या लोकप्रियता की तलाश?

कार्यक्रम में एंकरिंग को लेकर स्थानीय चर्चाओं में यह भी कहा जा रहा है कि एएसआई राजीव गुप्ता खुद को बहुमुखी प्रतिभा वाला बताते हैं और सार्वजनिक मंचों पर सक्रिय रहना पसंद करते हैं, समर्थकों के अनुसार यह व्यक्तिगत क्षमता और समाज से जुड़ाव का उदाहरण है,लेकिन आलोचक इसे अलग नजर से देखते हैं, उनका कहना है कि वर्दी के साथ जुड़ी जिम्मेदारी सामान्य नागरिक से कहीं ज्यादा होती है और सार्वजनिक मंच पर हर भूमिका सोच-समझकर निभानी चाहिए, शहर में एक तंज भी सुनाई दे रहा है वर्दी की पहचान कानून से होती है, मंच की पहचान तालियों से अब फैसला किसे प्राथमिकता मिले?

वर्दी की गरिमा बनाम सामाजिक जुड़ाव

यह पूरा मामला एक बड़े सवाल को जन्म देता है – क्या सरकारी कर्मचारियों को सामाजिक कार्यक्रमों में सक्रिय भूमिका निभाने से रोका जाना चाहिए, या फिर उन्हें समाज से जुड़ने के नए तरीके तलाशने चाहिए? पुलिस सेवा की प्रकृति ऐसी है जहां हर कदम विभागीय छवि से जुड़ा होता है, ऐसे में छोटी सी घटना भी बड़े संदेश के रूप में देखी जाती है, यही वजह है कि ÷सवाल दस हजार÷ कार्यक्रम अब सिर्फ एक क्विज प्रतियोगिता नहीं, बल्कि प्रशासनिक बहस का विषय बन गया है।

प्रशासनिक प्रतिक्रिया का इंतज़ार

फिलहाल इस पूरे मामले पर विभाग की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है, लेकिन बैकुंठपुर में चर्चा का माहौल गर्म है, लोग जानना चाहते हैं कि क्या भविष्य में ऐसे आयोजनों के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए जाएंगे, या यह मामला भी कुछ दिनों की चर्चा बनकर रह जाएगा।

आखिरी सवाल...*हॉट सीट पर कौन*

सवाल दस हजार के मंच पर पूछे गए सवालों से ज्यादा चर्चा अब उस एंकर की भूमिका पर हो रही है, जिसने मंच को संचालित किया। यह घटना शायद छोटी लगे, लेकिन इसने एक बड़ा प्रश्न जरूर खड़ा कर दिया है – क्या वर्दी की पहचान सिर्फ ड्यूटी तक सीमित है, या मंच की रोशनी में भी उसकी मर्यादा उतनी ही जरूरी है? अब नजर इस बात पर है कि प्रशासन इस पूरे मामले को कैसे देखता है – सामाजिक सहभागिता के रूप में या सेवा आचरण नियमों की कसौटी पर।

विकसित भारत की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा केंद्रीय बजट 2026 : अखिलेश सोनी

सूरजपुर में भाजपा की पत्रकार वार्ता, किसानों-युवाओं-महिलाओं के लिए बजट को बताया ऐतिहासिक

-संवाददाता-

सूरजपुर,08 फरवरी 2026 (घटती-घटना)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री अखिलेश सोनी ने केंद्रीय बजट 2026 को विकसित भारत के संकल्प को मजबूत करने वाला बजट बताते हुए कहा कि इसमें किसान,युवा,महिला,व्यापारी और मध्यम वर्ग के हितों का विशेष ध्यान रखा गया है। वे भाजपा कार्यालय सूरजपुर में आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि बजट में किसानों की आय बढ़ाने, युवाओं को रोजगार देने,महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और देश को तकनीकी रूप से सशक्त करने पर जोर दिया गया है। स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यटन, रेल, सड़क, रक्षा तथा पूंजीगत व्यय में ऐतिहासिक वृद्धि का प्रावधान किया गया है,जो देश की आर्थिक प्रगति को नई गति देगा, प्रदेश महामंत्री ने बताया कि युवाओं के लिए पांच नई विश्वविद्यालय नगरी स्थापित करने की योजना है। साथ ही चलचित्र निर्माण, दृश्य प्रभाव, गेमिंग और चित्रकथा जैसे क्षेत्रों में वर्ष 2030 तक 20 लाख प्रशिक्षित पेशेवर तैयार किए जाएंगे। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 10 हजार युवाओं को पर्यटन मार्गदर्शक के रूप में प्रशिक्षित करने की भी घोषणा की गई है, जिससे रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे, महिलाओं के लिए बजट में स्व-सहायता उद्यमी बाजार की घोषणा को महत्वपूर्ण बताते हुए उन्होंने कहा कि लखपति दीदी योजना का लक्ष्य 2 करोड़ से बढ़ाकर 5 करोड़ महिलाओं तक किया गया है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के बजट में 16 प्रतिशत की वृद्धि कर इसे 28,183 करोड़ रुपये किया गया है, किसानों के हित में पशुपालकों के लिए ऋण अनुदान, मछली पालन को बढ़ावा देने हेतु 500 बड़े तालाबों का निर्माण, अखरोट और बादाम उत्पादक किसानों के लिए विशेष योजनाएं तथा छोटे किसानों की आय बढ़ाने के लिए कई प्रावधान शामिल किए गए हैं। कर सुधारों के तहत विदेश यात्रा पर स्रोत पर कर संग्रह की दर 5 प्रतिशत से घटाकर 2 प्रतिशत करने, प्रवासी भारतीयों को संपत्ति विक्रय में राहत तथा आयकर विवरणी की तिथि बढ़ाने जैसे निर्णयों का भी उल्लेख किया गया, पत्रकार वार्ता के दौरान उन्होंने पूर्ववर्ती कांग्रेस शासन और वर्तमान केंद्र सरकार की तुलना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में शिक्षा, स्वास्थ्य, रक्षा, किसान, रेल और पूंजीगत व्यय में कई गुना वृद्धि हुई है।

छत्तीसगढ़ को मिलेगा विशेष लाभ

श्री सोनी ने बताया कि बजट में छत्तीसगढ़,ओडिशा और केरल के लिए खनन गलियारे के विकास की घोषणा की गई है, जिससे खनिज आधारित उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा और बड़े पैमाने पर रोजगार सृजित होंगे। रेल बजट में भी छत्तीसगढ़ को प्राथमिकता देते हुए 7,470 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, इस अवसर पर प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मरावी, भाजपा जिला अध्यक्ष मुरली मनोहर सोनी, जिला महामंत्री शशिकांत गर्ग, जिला उपाध्यक्ष संत सिंह, जिला कोषाध्यक्ष संदीप अग्रवाल, धर्मवीर सोनी, पवन साहू, नीरज गुप्ता, संदीप साहू, जितेंद्र शर्मा, सचिन तायल सहित पार्टी के अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बजट से विकसित भारत की नींव और मजबूत होगी : अनुराग सिंहदेव

मनेन्द्रगढ़ में पत्रकार वार्ता : युवा-केंद्रित और सुधारोन्मुख बजट बताया,इंफ्रास्ट्रक्चर,एमएसएमई और टेक सेक्टर पर विशेष जोर

-संवाददाता-

एमसीबी,08 फरवरी 2026 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष अनुराग सिंहदेव ने केंद्रीय बजट 2026-27 को दीर्घकालीन विकास का रोडमैप बताते हुए कहा कि यह बजट विकसित भारत के लक्ष्य को मजबूती देने वाला है। जनपद सभागार में आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि बजट रिफार्म ओवर रिहोरट्रिक के सिद्धांत पर आधारित है, जिसका उद्देश्य देश की संभावनाओं को प्रदर्शन में बदलना है,उन्होंने कहा कि सरकार ने तीन प्रमुख कर्तव्य तय किए हैं– उत्पादकता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा बढ़ाकर तेज आर्थिक विकास, जनता की आकांक्षाओं को पूरा कर उन्हें समृद्धि का सहभागी बनाना तथा सबका साथ-सबका विकास के विज़न को साकार करना। पत्रकार वार्ता के दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीमती चंपा देवी पावले, जिला महामंत्री द्वारिका जायसवाल व आशीष मजूमदार, जिला उपाध्यक्ष आशीष सिंह व संजय राय, जिला प्रवक्ता जमुना पाण्डेय, मीडिया प्रभारी रामचरित द्विवेदी, कोषाध्यक्ष मनोज जैन, सोशल मीडिया संयोजक मनोज केशरवानी, पूर्व नपा उपाध्यक्ष सुरेश श्रीवास्तव, मंडल अध्यक्ष रोहित वर्मा, महामंत्री एम.पी. सिंह, पूर्व मंडल अध्यक्ष आलोक जायसवाल, भाजयुमो जिलाध्यक्ष अंकित शर्मा, राहुल जायसवाल सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एमएसएमई और उद्यमिता को नई ताकत

उन्होंने कहा कि 10 हजार करोड़ रुपये के स्मॉल ग्रोथ फंड और सेल्फ रिलायंट इंडिया फंड के टॉप-अप से छोटे और मध्यम उद्योगों को इक्विटी सपोर्ट मिलेगा, कॉर्पोरेट मित्रास पहल से टियर-2 और टियर-3 शहरों में व्यवसायिक प्रक्रियाएं सरल होंगी, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार बढ़ेगा।

अनुशासित वित्तीय नीति के साथ तेज विकास

अनुराग सिंहदेव ने बताया कि बजट में फिस्कल डेफिसिट को जीडीपी के 4.3 प्रतिशत तक सीमित रखा गया है। यह वित्तीय अनुशासन विकास को गति देने के साथ-साथ कर्ज नियंत्रण में भी सहायक होगा। उन्होंने कहा कि भारत आज संतुलित खर्च और तेज आर्थिक प्रगति के साथ आगे बढ़ रहा है।

इंफ्रास्ट्रक्चर और कैपेक्स पर बड़ा फोकस

उन्होंने कहा कि 12.2 लाख करोड़ रुपये के पब्लिक कैपेक्स से सड़क, रेल, एयरपोर्ट और ऊर्जा क्षेत्र को नई मजबूती मिलेगी। इससे टियर-2 और टियर-3 शहरों में निवेश बढ़ेगा और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

रणनीतिक सेक्टर्स और मेक इन इंडिया 2.0

पत्रकार वार्ता में उन्होंने बताया कि बायोफार्मा, सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्रों में निवेश से भारत वैश्विक टेक्नोलॉजी हब बनने की दिशा में आगे बढ़ेगा। बायोफार्मा शक्ति योजना के तहत पांच वर्षों में 10 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जबकि इंडियन सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 से हाई-वैल्यू इंजीनियरिंग और रिसर्च को बढ़ावा मिलेगा।

लॉजिस्टिक्स, टूरिज्म और स्किल्स पर जोर

नए डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर,राष्ट्रीय जलमार्ग विस्तार और सी-प्लेन कनेक्टिविटी से लॉजिस्टिक्स लागत घटेगी। वहीं शिक्षा, स्किल और सर्विस सेक्टर को जोड़कर 2047 तक ग्लोबल सर्विसेज में भारत की 10 प्रतिशत हिस्सेदारी का लक्ष्य रखा गया है,मेडिकल टूरिज्म, एनीमेशन, गेमिंग और यूनिवर्सिटी टाउनशिप जैसी योजनाओं से युवाओं को भविष्य के रोजगार से जोड़ा जाएगा।

कृषि, ग्रामीण विकास और महिला सशक्तिकरण-

फसल विविधीकरण, मत्स्य पालन विकास और ग्रामीण उद्यमिता से किसानों और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास किया गया है, सामाजिक समावेशन के तहत मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं और जिला अस्पतालों में ट्रॉमा सेंटर विस्तार का भी प्रावधान है।

टैक्स सुधार और डिजिटल हब की ओर कदम-

उन्होंने बताया कि नया आयकर अधिनियम 2025, 1 अप्रैल 2026 से लागू होगा, जिससे नियम सरल होंगे और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा मिलेगा। आईटी सर्विसेज और डेटा सेंटर सेक्टर को दिए गए प्रोत्साहन भारत को वैश्विक डिजिटल हब बनाने में मदद करेंगे।

रायपुर में नक्सलवाद पर अमित शाह की हाईलेवल मीटिंग,इंटेलिजेंस इनपुट्स की समीक्षा की

माओवादी हथियार डाल दें,रेड कार्पेट बिछाकर स्वागत करेंगे : शाह

रायपुर,08 फरवरी 2026। रायपुर में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह शाह ने कहा कि भारत सरकार और छत्तीसगढ़ सरकार किसी पर गोली चलाना नहीं चाहती,सभी माओवादी हथियार डाल दें। उनके लिए रेड कार्पेट बिछाकर हम उनका स्वागत करेंगे। शाह ने आगे कहा...कि जहां कम्यूनिस्ट शासन में रहे वहां विकास नहीं कर पाए। जब हमनें आदिवासियों के कल्याण की बात की,वहां भी अंधकार फैला दिए। विचारधारा ही विनाश की घातक विचारधारा है। बहुत जरूरी है कि देश इस विचारधारा से निजात पा ले। अमित शाह ने आगे कहा कि कम्यूनिस्ट वैसे तो डेमोक्रेटिक पॉलिटिक्स में बचे भी नहीं है, दूरबीन लेकर देखना पड़ता है, एक केरल बचा है, यहां भी इस बार समाप्त हो जाएगा। बता दें कि अमित शाह 3 दिन के छत्तीसगढ़ दौरे पर पहुंचे हैं। जहां वे राजधानी रायपुर के मेफेयर होटल में नक्सलवाद पर हाईलेवल मीटिंग ले रहे हैं। बैठक के पहले सेशन में इंटेलिजेंस इनपुट्स और विभिन्न

विकास कार्यों की समीक्षा हुई। शाह ने एक्स जानकारी शेयर करते हुए लिखा कि-आज रायपुर में छत्तीसगढ़ सरकार और अधिकारियों के साथ नक्सलविरोधी अभियानों पर समीक्षा बैठक की। सिक्योरिटी सेंट्रिक स्ट्रेटजी, इंफ्रास्ट्रक्चर,नक्सल फाइनेंशियल नेटवर्क पर प्रहार और आत्मसमर्पण नीति के सकारात्मक परिणाम आए हैं। इस 31 मार्च से पहले नक्सलवाद पूरी तरह समाप्त हो रहा है। शाह ने आगे लिखा-जो छत्तीसगढ़ कभी नक्सली हिंसा का गढ़ था, भाजपा की डबल इंजन सरकार में विकास का पर्याय बन चुका है। यहां के युवा स्पोर्ट्स,फॉरेंसिक और टेक्निकल एजुकेशन को गति देते हुए अपनी संस्कृति और परंपराओं को भी सहेज रहे हैं। दूसरे सेशन में नक्सल प्रभावित इलाकों की स्थिति पर चर्चा हो रही है। बैठक में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, डिप्टी सीएम विजय शर्मा, कई प्रदेशों के डीजीपी सहित एसीएस गृह, सीआरपीएफ और कई अन्य सैन्य सुरक्षा के डीजीपी शामिल हुए हैं।

पंडुम महोत्सव के समापन कार्यक्रम में होंगे शामिल

अमित शाह बस्तर में पंडुम महोत्सव के समापन कार्यक्रम में भी शामिल होंगे। इससे पहले वे 28 से 30 नवंबर तक नवा रायपुर स्थित IIM परिसर में आयोजित 60वें DGP-IGP सम्मेलन में पहुंचे थे।

विजय शर्मा बोले...बड़े स्तर पर बनेगी रणनीति

छत्तीसगढ़ के गृहमंत्री विजय शर्मा ने मीटिंग को लेकर कहा कि नक्सलवाद को लेकर 31 मार्च 2026 से पहले संभवतः ये आखिरी बड़ी बैठक होगी। आने वाले समय में कैसे काम करना है, बड़े स्तर पर निर्णय लेने की रणनीति निर्धारित होगी।

नक्सली खात्मे की डेडलाइन को 51 दिन बाकी

छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद को लेकर केंद्र सरकार की रणनीति से जुड़े अहम दौर की शुरुआत हो रही है। अमित शाह का यह दौरा ऐसे समय पर हो रहा है, जब 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद के खात्मे की डेडलाइन अब नजदीक आ चुकी है। इस समयसीमा का ऐलान खुद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने किया था। इसके बाद छत्तीसगढ़ समेत नक्सल प्रभावित इलाकों में सुरक्षाबल लगातार अभियान चला रही है। इस डेडलाइन में अब करीब 51 दिन का ही समय बाकी है। गृहमंत्री अमित शाह इस दौरे से पहले 13 दिसंबर 2025 को जगदलपुर पहुंचे थे। जहां वे बस्तर ओलंपिक समापन समारोह में शामिल हुए थे।

रायपुर में बना प्रदेश का स्मार्ट महतारी सदन

सदन को हाईटेक बनाने में 86 लाख खर्च,एक ही परिसर में महिला-बच्चों के मनोरंजन की सुविधा,एमएलए मूणत बोले ये मातृशक्ति का सम्मान

रायपुर,08 फरवरी 2026। रायपुर में महिला और बच्चों के लिए अब एक ही छत के नीचे आधुनिक सुविधाओं वाला स्मार्ट केंद्र तैयार हो गया है। रायपुर पश्चिम के टाटीबंध इलाके में प्रदेश का पहला हाईटेक 'महतारी सदन सह आंगनबाड़ी' बनकर तैयार हुआ है। करीब 86 लाख रुपए की लागत से बने इस सदन में बच्चों के खेल,शिक्षा,पोषण और महिलाओं की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए क्षेत्रीय विधायक राजेश मूणत की पहल पर शहीद भगत सिंह वार्ड के टाटीबंध क्षेत्र में प्रदेश का पहला सर्वसुविधायुक्त 'महतारी सदन सह आंगनबाड़ी' का निर्माण पूर्ण हो चुका है। भारी-भरकम लागत से तैयार यह केंद्र छत्तीसगढ़ की आंगनबाड़ी व्यवस्था के इतिहास में एक मील का पत्थर साबित होने जा रहा है।

महतारी-नौनिहालों को मिलेगा घर जैसा माहौल

करीब 4500 वर्गफुट क्षेत्र में फैले इस महतारी सदन को इस तरह डिजाइन किया गया है कि यहां आने वाली महिलाएं और बच्चे खुद को सुरक्षित, सहज और घर जैसा वातावरण महसूस कर सकें। भवन में बच्चों के लिए अलग प्ले एरिया,आधुनिक डाइनिंग हॉल,पूरी तरह हाइजीनिक किचन,स्टोर रूम,डिजिटल लर्निंग के अनुकूल क्लास रूम और प्रशासनिक कार्यों के लिए अलग ऑफिस रूम बनाया गया है। संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए यहां महिला-पुरुष के साथ-साथ दिव्यांगजनों के लिए भी विशेष वॉशरूम की व्यवस्था की गई है। परिसर को आकर्षक बनाने के लिए सामने पेवर ब्लॉक लगाए गए हैं और सुरक्षा की दृष्टि से मजबूत बाउंड्रीवॉल का निर्माण कराया गया है। बच्चों के सर्वांगीण विकास पर विशेष जोर देते हुए महतारी सदन में फिसलपट्टी,झूले,कैरम,सांप-सीढ़ी,शतरंज, बास्केटबॉल,पिट बॉल और स्विंग जैसी खेल सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं। यह केंद्र अब सिर्फ पोषण आहार तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि बच्चों के शारीरिक,मानसिक और सामाजिक विकास का एक ग्रोथ सेंटर बनेगा। विधायक राजेश मूणत ने कहा कि गरीब और मध्यम वर्ग के बच्चों का बचपन सुविधाओं के अभाव में नहीं दबना चाहिए।

केंद्र सरकार के बजट से छत्तीसगढ़ में बढ़ेगी हवाई-रेलवे सेवा

रेलवे स्टेशनों का होगा पुनर्निर्माण,नेशनल हाईवे कॉरिडोर से सुधरेगी कनेक्टिविटी : केंद्रीय मंत्री खट्टर

रायपुर,008 फरवरी 2026। केंद्रीय ऊर्जा, आवासन और शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर रविवार को रायपुर पहुंचे। सिविल लाइन स्थित न्यू सर्किट हाउस में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। जिसमें उन्होंने केंद्रीय बजट को लेकर कहा कि, इससे छत्तीसगढ़ में हवाई,रेल और सड़क कनेक्टिविटी को नई गति मिलेगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा...कि,आज भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। अब जर्मनी को पीछे छोड़ने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। दुनिया के 4-5 प्रमुख देशों में भारत का नाम मजबूती से लिया जा रहा है, जो मजबूत आर्थिक नीतियों का परिणाम है।

छत्तीसगढ़ में हवाई कनेक्टिविटी बढ़ेगी : मनोहर लाल खट्टर ने बताया कि, छत्तीसगढ़ में हवाई कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार लगातार काम कर रही है। उड़ान योजना के तहत जगदलपुर, बिलासपुर और अंबिकापुर से हवाई सेवाएं शुरू की गई हैं। इसके साथ ही रायपुर के स्वामी विवेकानंद विमानतल को कृषि उड़ान योजना में शामिल किया गया है,जिससे कृषि उत्पादों का तेज़ी से परिवहन संभव हो सकेगा। उन्होंने कहा कि, बजट में देश के इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया है। सेमीकंडक्टर मिशन के लिए 10 हजार करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। वहीं इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर के लिए 40 हजार करोड़ रुपए का बजट रखा गया है। इसका सीधा लाभ औद्योगिक निवेश और रोजगार सृजन के रूप में मिलेगा।

छत्तीसगढ़ में एनएच कॉरिडोर को मंजूरी

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि, 2014 के बाद से छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास को प्राथमिकता दी गई है। अब तक 3,400 किलोमीटर से अधिक सड़कों का निर्माण किया जा चुका है। भारतमाला परियोजना के तहत राज्य में 571 किलोमीटर से अधिक नेशनल हाईवे कॉरिडोर को मंजूरी दी गई है, जिससे राज्य की कनेक्टिविटी और मजबूत होगी। उन्होंने आगे कहा कि,रेलवे स्टेशनों के पुनर्निर्माण,वेयरहाउसिंग के विस्तार और डेडिकेटेड इंडस्ट्रियल पार्क की स्थापना पर भी काम किया जाएगा। कैपिटल ग्रुप्स बढ़ाने और हाईटेक मशीनरी निर्माण के लिए विशेष सुविधाएं विकसित की जाएंगी, जिससे छत्तीसगढ़ विकास की नई राह पर आगे बढ़ेगा।

सालों से प्रॉपर्टी टैक्स न देने वालों पर निगम सख्त...26 बकायादारों की प्रॉपर्टी सील,नल कनेक्शन काटे गए

रायपुर,08 फरवरी 2026। रायपुर नगर निगम ने वर्षों से लंबित बकाया राशि नहीं चुकाने वालों के खिलाफ सख्ती दिखाई है। डिमांड बिल, डिमांड नोटिस और अंतिम नोटिस के बाद भी भुगतान नहीं करने पर चार वार्डों के 26 बकायादारों पर नियमानुसार कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान 6 बकायादारों का नल कनेक्शन काटा गया। वहीं सीलबंदी की कार्रवाई के बीच 2 बकायादारों ने मौके पर ही पूरा बकाया जमा कर दिया, जबकि 2 अन्य ने आंशिक भुगतान किया। 12 बकायादारों ने 9 फरवरी तक और एक बकायादार ने 15 फरवरी तक पूरा बकाया चुकाने का लिखित आश्वासन दिया, जिसके बाद उनके खिलाफ कार्रवाई अस्थायी रूप से स्थगित की गई। नगर निगम की टीम ने जोन-4 के डॉ. विपिन बिहारी सूर वार्ड (64),स्वामी विवेकानंद सदर बाजार वार्ड (44),पंडित रविशंकर शुक्ल वार्ड (34) और सिविल लाइन वार्ड (46) में यह कार्रवाई की। इस दौरान लाखों रुपये के बकाया मामलों में नल विच्छेदन और सीलबंदी की प्रक्रिया अपनाई गई। निगम अधिकारियों के मुताबिक, बकाया वसूली को लेकर आगे भी इसी तरह सख्ती जारी रहेगी। समय पर भुगतान नहीं करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। नगर निगम ने बकायादारों से अपील की है कि वे तय समय-सीमा में अपना बकाया जमा कर दंडात्मक कार्रवाई से बचें। नगर निगम आयुक्त विश्वदीप ने कहा कि, प्रॉपर्टी टैक्स वसूली में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी 10 जोनों को आदेश दिए हैं कि, बड़े बकायेदारों को तुरंत डिमांड बिल सहित नोटिस जारी किए जाएं और राजस्व वसूली में तेजी लाई जाए। जिसके बाद गौरव गार्डन,मधुबन,ओमाया और अमायरा में सर्वे कर प्रॉपर्टी टैक्स की जांच की गई।

आबकारी भवन में आगजनी एक साजिश!

रायपुर,08 फरवरी 2026। लाभांडी स्थित आबकारी भवन की तीसरी मंजिल में रविवार रात आग लग गई। इसमें आबकारी निगम के कई दस्तावेज, और महत्वपूर्ण फाइलें जलने की जानकारी मिली है। बताया गया कि आज से निगम के आय-व्यय का ऑडिट भी होना था। आग रात उस वक्त लगी जब ऑडिट की तैयारी के लिए दिनभर अधिकारियों की मौजूदगी के बाद रात दफ्तर बंद हो गया था। आग तीसरी मंजिल स्थित एक मुख्य अनुभाग के दफ्तर से शुरू हुई। इसे ऑडिट रूम बताया गया। इस सूचना पर दमकल की गाड़ियां पहुंचने तक रिकॉर्ड पूरी तरह जल चुके थे। आग लगने के पीछे शॉर्टसर्किट को कारण बताया जा रहा है। रविवार सुबह पुलिस और एफएसएल की टीमें जांच कर रहे है।

धान खरीदी के मुद्दे पर सीएम हाउस का घेराव....धान खरीदी की तारीख बढ़ाने 10 फरवरी को सीएम हाउस का घेराव करेगी आम आदमी पार्टी

रायपुर,08 फरवरी 2026। आम आदमी पार्टी ने धान खरीदी के मुद्दे पर 10 फरवरी को मुख्यमंत्री निवास के घेराव का ऐलान किया है। आम आदमी पार्टी का कहना है कि धान का भुगतान निकालने के लिए किसान सहकारी बैंकों में सुबह 6 बजे से देर रात तक कड़ी धूप में लाइन लगाने को मजबूर हैं। इसके बावजूद बैंक एक बार में केवल 25 हजार रुपए ही भुगतान कर रहे हैं। पार्टी ने आरोप लगाया कि सरकार ने साजिश के तहत लाखों छोटे किसानों से जबरन रकबा समर्पण करवाया, जिससे वे धान बेचने से वंचित रह गए। पार्टी का कहना है कि इस बार धान खरीदी केंद्रों की प्रतिदिन की लिमिट कम कर दी गई, जिसके कारण किसान सिर्फ टोकन लेकर लाइन में खड़े रहने को मजबूर हुए। टोकन

काटने से पहले पटवारी, आरआई और तहसीलदारों द्वारा किसानों के घर जाकर भौतिक सत्यापन किया गया। आम आदमी पार्टी ने सवाल उठाया कि क्या सरकार किसानों को संदेह की नजर से देख रही है? पार्टी का आरोप है कि सरकार की मंशा ही धान खरीदने की नहीं थी, इसलिए लगातार बहाने बनाए गए।

केंद्र की ट्रेड डील पर भी सवाल...

आम आदमी पार्टी ने केंद्र सरकार की अमेरिका के साथ नई ट्रेड डील को किसान विरोधी बताया। पार्टी का कहना है कि इस समझौते से अमेरिका के कृषि और डेयरी उत्पाद सस्ते दामों पर भारत में आएंगे,जिससे देश की कृषि व्यवस्था और किसानों को भारी नुकसान होगा।

3 लाख किसान अब भी धान बेचने से वंचित...

पार्टी का दावा है कि छत्तीसगढ़ में अब भी करीब 3 लाख किसान धान बेचने से वंचित हैं। ऐसे में जिन किसानों ने कर्ज लिया है, उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। आम आदमी पार्टी ने कहा कि किसानों की बदहाली के लिए राज्य सरकार जिम्मेदार है और धान खरीदी में सरकार पूरी तरह विफल साबित हुई है।

28 फरवरी तक बढ़ाने की मांग...

आम आदमी पार्टी ने मांग की है कि जिन किसानों से जबरन रकबा समर्पण करवाया गया है, उसके लिए सरकार माफी मांगे। साथ ही सभी किसानों के लिए समुचित टोकन व्यवस्था लागू की जाए और जरूरत पड़ने पर सहकारी समितियों के जरिए सीधे धान खरीदी की जाए।

शराब कारोबारी अनवर के बेटे शोएब पर एफआईआर

स्कूल संचालक की गाड़ी को टक्कर मारी,गाली-गलौज की,जान से मारने दी थी धमकी...

रायपुर,08 फरवरी 2026। रायपुर में शराब कारोबारी अनवर ढेबर के बेटे और पूर्व मेयर एजाज ढेबर के भतीजे शोएब ढेबर ने स्कूल संचालक आरबी मिश्रा की गाड़ी को टक्कर मार दी। इसके बाद संचालक से गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी दी। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ। वीडियो 6 फरवरी की रात 10 बजे का है। अब स्कूल संचालक की शिकायत पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। शोएब ढेबर की तलाश शुरू कर दी गई है। मामला तेलीबांधा थाना इलाके का है। शिकायतकर्ता आरबी मिश्रा ने तेलीबांधा पुलिस को बताया, कि वे विधायक कॉलोनी, मकान नंबर 1/9 तेलीबांधा निवासी है। विशेष बच्चों का स्कूल संचालित करते हैं।

6 फरवरी की रात करीब 10 बजे वह विधायक कॉलोनी से वीआईपी रोड स्थित राम मंदिर दर्शन के लिए गया था। दर्शन के बाद जब वह अपनी कार क्रमांक CG-04-PY-5003 के पास पहुंचा, तभी पीछे से आ रही इंडिवर कार के चालक शोयेब ढेबर ने गाड़ी लापरवाही पूर्वक चलाते हुए स्क्रेच मारा। आरबी मिश्रा ने गाड़ी ठीक से चलाने के लिए कहा,तो बीच सड़क में गाड़ी रोकर वो गालियां देने लगा और जान से मारने की धमकी दी। घटना के बाद आरबी मिश्रा थाना पहुंचे और शोएब ढेबर के खिलाफ शिकायत दी है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने शराब कारोबारी अनवर के बेटे शोएब ढेबर के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

पहले भी जेल में कर चुका है अभद्रता : बता दें कि शोएब ढेबर का नाता पहले भी विवादों से रहा है। 7 अगस्त 2025 को शोएब जेल में बिना अनुमति मुलाकात कक्ष में घुस गया था। इस दौरान उसने अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया।

बीज निगम में सचिव बनाने युवक से ठगे 5 लाख

रायपुर,08 फरवरी 2026। रायपुर में बीज निगम में सचिव बनाने का झांसा देकर महिला ठग और उसके परीचित ने युवक से 5 लाख की ठगी की है। पीड़ित को नौकरी नहीं मिली और आरोपियों ने पैसा वापस नहीं किया,तो तेलीबांधा थाने पहुंचकर आरोपियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत पर पुलिस ने ठगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पीड़ित का नाम सुमित महिलांगे,आरोपी महिला का नाम राधा कश्यप और उसके पाटर्नर का नाम निशिकांत बेदालकर बताया जा रहा है। पुलिस मामले की जांच कर

रही है। दरअसल,पीड़ित सुमित महिलांगे ने पुलिस को बताया कि, साल 2024 में नारायणपुर कृषि महाविद्यालय में अतिथि शिक्षक रहते हुए उनकी पहचान कृष्णा गुप्ता और मनमोहन बिसेन से हुई थी। इसी दौरान मनमोहन बिसेन के माध्यम से राधा कश्यप से संपर्क हुआ, जिसने अपने परिचित निशिकांत बेदालकर के जरिए छत्तीसगढ़ बीज निगम में सचिव पद पर नौकरी दिलाने का भरोसा दिलाया। पीड़ित के अनुसार 26 फरवरी 2024 को राधा कश्यप उन्हें डूमरतराई स्थित हिमालय हाइट्स ले गई, जहां निशिकांत बेदालकर से मुलाकात हुई। आरोप है कि निशिकांत ने हर व्यक्ति 15 लाख रुपए में नौकरी लगाने का दावा किया और एडवांस के तौर पर 5 लाख रुपए देने को कहा। भरोसा दिलाने के लिए उसने बिना तारीख का हस्ताक्षरित चेक भी दिया। इसके बाद सुमित महिलांगे ने अलग-अलग तारीखों में ऑनलाइन ट्रांजेक्शन के जरिए 5 लाख रुपए निशिकांत बेदालकर के खाते में ट्रांसफर कर दिए। लंबे समय तक न तो कोई नियुक्ति प्रक्रिया हुई और न ही नौकरी मिली। लगातार टालमटोल के बाद अक्टूबर 2025 में आरोपियों ने केवल 2 लाख रुपए लौटाए,जबकि बाकी 3 लाख रुपए देने से साफ इनकार कर दिया। पीड़ित का आरोप है कि,पैसे मांगने पर आरोपी धमकी देने लगे। पुलिस में शिकायत करने पर भी कार्रवाई न होने की बात कही। इसके बाद सुमित महिलांगे ने तेलीबांधा थाने में लिखित शिकायत दी।

पीडब्ल्यूडी में भ्रष्टाचार के आरोपों से गरमाई छत्तीसगढ़ की सियासत...पूर्व गृह मंत्री ने मुख्य अभियंता के खिलाफ सीबीआई जांच की मांग की

रायपुर,08 फरवरी 2026। छत्तीसगढ़ की राजनीति में एक बार फिर हलचल तेज हो गई है। राज्य के पूर्व गृह मंत्री ननकी राम कंवर ने लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के एक वरिष्ठ अधिकारी पर गंभीर अनियमितताओं के आरोप लगाते हुए केंद्र सरकार तक शिकायत पहुंचाई है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राज्य के मुख्य सचिव विकासशील और लोक निर्माण विभाग के सचिव कमलप्रीत सिंह को पत्र लिखकर मुख्य अभियंता विजय कुमार भतपहरी के खिलाफ सीबीआई जांच कराने की मांग की है। ननकी राम कंवर ने अपने पत्र में आरोप लगाया है कि विजय कुमार भतपहरी ने विभाग में विभिन्न पदों पर रहते हुए नियमों को दरकिनार कर चुनिंदा ठेकेदारों को अनुचित लाभ पहुंचाया। उन्होंने कहा कि कथित कमीशनखोरी और वित्तीय अनियमितताओं के कारण सरकारी खजाने को भारी नुकसान हुआ है और शासन की छवि भी प्रभावित हुई है। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि वर्ष 2011 और 2015 में भतपहरी के खिलाफ राज्य आर्थिक अपराध अन्वेषण एवं एंटी करप्शन ब्यूरो, रायपुर में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किए गए थे, लेकिन राजनीतिक संरक्षण के

चलते इन मामलों में अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी। पूर्व गृह मंत्री ने विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि पदोन्नति के दौरान कई अधिकारियों के खिलाफ लंबित मामलों को नजरअंदाज किया गया, जिससे न केवल योग्य अधिकारियों के साथ अन्याय हुआ, बल्कि विभागीय व्यवस्था और चयन प्रक्रिया की पारदर्शिता पर भी प्रश्नचिह्न लगा है। उन्होंने राजनांदगांव संभाग के मानपुर-संबलपुर मार्ग निर्माण का उदाहरण देते हुए आरोप लगाया कि स्वीकृत बजट से कहीं अधिक भुगतान किया गया। जांच के दौरान निर्माण से जुड़े महत्वपूर्ण अभिलेखों के गायब होने की बात भी सामने आई, जिसे उन्होंने गंभीर वित्तीय अनियमितता बताया।

भारत-मलेशिया के बीच द्विपक्षीय वार्ता के बाद 11 महत्वपूर्ण समझौतों पर हुए हस्ताक्षर

आतंकवाद पर कोई डबल स्टैंडर्ड नहीं...तमिल भाषा भारत-मलेशिया को जोड़ती है : पीएम मोदी

नई दिल्ली,08 फरवरी 2026। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 2026 की पहली विदेश यात्रा भारत और मलेशिया के बीच'व्यापक रणनीतिक साझेदारी'को नई ऊंचाइयों पर ले जाने वाली साबित हुई है। प्रधानमंत्री मोदी और मलेशिया के प्रधानमंत्री महामहिम दातो सेरी अनवर इब्राहिम के बीच रविवार को पुत्राजाया स्थित पर्दाना पुत्र परिसर में प्रतिनिधिमंडल स्तर की सार्थक वार्ता हुई। वार्ता के बाद दोनों नेताओं की मौजूदगी में कुल 11 महत्वपूर्ण दस्तावेज और समझौतों का आदान-प्रदान किया गया। इनमें डिजिटल भुगतान और सुरक्षा सहयोग,सेमी कंडक्टर विकास और स्वास्थ्य एवं चिकित्सा,भ्रष्टाचार निवारण और आपदा प्रबंधन, भारतीय कामगारों के लिए सामाजिक सुरक्षा तथा तकनीकी शिक्षा और मलेशिया का अंतरराष्ट्रीय बिग कैट एलायंस में शामिल होना है। पीएम मोदी ने आतंकवाद पर अपना रुख कड़ा किया। उन्होंने कहा,'आतंकवाद के बारे में हमारा संदेश बहुत स्पष्ट है, कोई दोहरा मापदंड नहीं,कोई समझौता नहीं। भारत और मलेशिया आतंकवाद के खिलाफ मिलकर काम करेंगे।' पीएम मोदी ने प्रेस ब्रीफिंग के दौरान तमिल भाषा की अहमियत पर भी जोर दिया। उन्होंने बताया कि तमिल भाषा के प्रति साझा प्रेम भारत और मलेशिया को जोड़ता है।

मोदी ने ऑडियो-विजुअल समझौते का जिक्र करते हुए कहा, 'मुझे पूरा विश्वास है कि आज हुए ऑडियो-विजुअल समझौते के साथ फिल्में और संगीत, खासकर तमिल फिल्में, हमारे दिलों को और करीब लाएंगी।' पीएम मोदी ने मलेशियाई पीएम को अपना दोस्त बताया।

मोदी बोले...भारतीय श्रमिकों की सुरक्षा के लिए इंतजाम किए

नरेंद्र मोदी ने कहा...'मलेशिया में भारतीय श्रमिकों की सुरक्षा के लिए सोशल सिक्योरिटी एग्रीमेंट, मुफ्त ई-वीजा,और पर्यटन के लिए यूपीआई डिजिटल इंटरफेस जैसी व्यवस्थाएं दोनों देशों के नागरिकों के जीवन को सरल बनाएंगी।' उन्होंने कहा कि किसी भी साझेदारी को सफल तभी माना जाता है,जब उसका लाभ सीधे लोगों तक पहुंचे।

पीएम मोदी ने 10 वें सीईओ फोरम में भाग लिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 10 वें भारत-मलेशिया सीईओ फोरम के दौरान मलेशिया के चार प्रमुख उद्योगपतियों के साथ बातचीत की। उन्होंने पेट्रोनास के अध्यक्ष और ग्रुप सीईओ तन श्री तेंगकु मुहम्मद तौफिक,बर्जया कॉर्पोरेशन बर्हाद के संस्थापक तन श्री दातो' सेरी विंसेंट,खजानाह नेशनल बर्हाद के डायरेक्टर दातो' अमीरुल फैसल वान जाहिर और फाइसन इलेक्ट्रॉनिक्स के संस्थापक दातो पुआ खेइन सेंग से मुलाकात की। प्रधानमंत्री ने भारत और मलेशिया के बीच बढ़ते कारोबारी संबंधों की सराहना की और मलेशियाई कंपनियों में भारत की विकास यात्रा के प्रति गहरी रुचि देखकर प्रसन्नता जताई।

मोदी बोले...तमिल भाषा मलेशिया की सांस्कृतिक जीवन का हिस्सा

पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा...'तमिल भाषा के प्रति साझा प्रेम भारत और मलेशिया को जोड़ता है। मलेशिया में तमिल भाषा की मजबूत और जीवंत उपस्थिति शिक्षा, मीडिया और सांस्कृतिक जीवन में स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। मुझे पूरा विश्वास है कि आज हुए ऑडियो-विजुअल समझौते के साथ फिल्में और संगीत, खासकर तमिल फिल्में, हमारे दिलों को और करीब लाएंगी।' प्रधानमंत्री मोदी ने इस दौरान दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक जुड़ाव पर जोर दिया और तमिल भाषा और तमिल सिनेमा को लोगों के बीच भावनात्मक निकटता बढ़ाने का जरिया बताया। उन्होंने कहा कि यह समझौता फिल्म और संगीत के क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देगा, जिससे भारत-मलेशिया के संबंध और अधिक गहरे होंगे।

गौरव गोगोई का मामला गृह मंत्रालय भेजेगी असम सरकार

सीएम हिमंता के आरोप- कांग्रेस सांसद की पत्नी के पाकिस्तान खुफिया एजेंसी आईएसआई से संबंध

नई दिल्ली,08 फरवरी 2026। असम सरकार कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई के पाकिस्तान कनेक्शन मामले को केंद्रीय गृह मंत्रालय भेजेगी। असम कैबिनेट ने शनिवार को यह फैसला लिया। जिसके बारे में रविवार को मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में जानकारी दी। असम सरकार कांग्रेस सांसद गौरव की पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न का ओसीआई/वीजा रद्द करने की मांग भी करेगी क्योंकि उनकी मौजूदगी भारत के लिए नुकसानदायक है। असम सीएम का आरोप है कांग्रेस सांसद गौरव और उनकी पत्नी एलिजाबेथ, पाकिस्तानी एजेंट अली तौकीर शेख के बहुत करीब हैं। एक पाकिस्तानी फर्म ने गौरव की पत्नी को नौकरी दी,फिर उन्हें भारत ट्रांसफर कर दिया। एलिजाबेथ भारत से जुड़ी कई जानकारियां इकट्ठा करती थीं और पाकिस्तानी नागरिक अली शेख को रिपोर्ट देती थीं। अली तौकीर शेख एलिजाबेथ को इस काम के लिए सैलरी देता था। हिमंता ने यह भी दावा किया कि अली तौकीर 2010 से 2013 के बीच 13 बार भारत आया था।

गौरव गोगोई बोले...हिमंता ने असम में 4,000 एकड़ जमीन कैसे हासिल की

असम सीएम की प्रेस कॉन्फ्रेंस पर गौरव गोगोई ने कहा कि हिमंता बिस्वा सरमा ने मीडिया के सामने मंच पर खुद को शर्मिंदा किया। असम में कोई उनकी बातों को गंभीरता से नहीं लेता। असम कांग्रेस अध्यक्ष ने सवाल उठाया कि हिमंता परिवार ने कथित तौर पर पूरे असम में 4,000 एकड़ जमीन कैसे हासिल की। उन्होंने कहा कि राज्य में भविष्य की कांग्रेस सरकार ऐसी जमीनों को गरीबों में बांट देगी।

गौरव को अरेस्ट किया तो चुनाव से पहले राजनीति का आरोप लगेगा : हिमंता

प्रेस कॉन्फ्रेंस में हिमंता ने बताया कि हमने मौजूदा सांसद गौरव गोगोई से पाकिस्तान कनेक्शन के बारे में पूछताछ नहीं की है। हमने उनके पद की गरिमा का सम्मान करते हुए यह मामला केंद्र पर छोड़ दिया है। हिमंता ने यह भी कहा कि अगर अब गौरव गोगोई को गिरफ्तार करने जैसा कदम उठाया तो मुझ पर असम विधानसभा चुनावों से पहले राजनीति करने का आरोप लगेगा। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई की पाकिस्तानी दूतावास यात्रा को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जब वह स्वयं असम में निवेश आकर्षित करने के लिए सिंगापुर में थे, तभी एक तस्वीर वायरल हुई थी, जिसमें गोगोई युवाओं के एक समूह के साथ दिल्ली स्थित पाकिस्तानी दूतावास जाते दिखाई दे रहे थे। डॉ. हिमंत बिस्व सरमा के अनुसार, उस समय भारत में पाकिस्तान के उच्चायुक्त रहे अब्दुल बासित भी वहां मौजूद थे।

कर्नाटक में प्राइवेट ट्रेनी प्लेन खेत में क्रैश

दोनों पायलट ने कूद कर जान बचाई शुरूआती जांच में इंजन खराबी वजह

नई दिल्ली,08 फरवरी 2026। कर्नाटक के विजयपुरा जिले में रविवार को एक खेत में प्राइवेट ट्रेनी प्लेन क्रैश हो गया। जमीन पर गिरने से पहले ही दोनों पायलट ने इजेक्ट कर लिया। उन्हें हल्की चोटें आई हैं। घटना बालेश्वर क्षेत्र मंगलुरु गांव में हुई। जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। एक अधिकारी ने बताया कि यह रेड बर्ड एविएशन का एक प्राइवेट ट्रेनी एयरक्राफ्ट है। जो कलबुर्गी से बेलगावी जा रहा था। शुरुआती जांच में सामने आया है कि प्लेन के इंजन में टेक्निकल खराबी आई थी। विमान के मुख्य पायलट कैप्टन कुणाल मल्होत्रा थे। मल्होत्रा रेडबर्ड एविएशन में असिस्टेंट फ्लाइट इंस्ट्रक्टर हैं। वहीं, ट्रेनी पायलट की पहचान गौतम शंकर पीआर के रूप में हुई है।

भाजपा अध्यक्ष व मुख्यमंत्री ने 500 नई ईवी बसों व दिल्ली-पानीपत ई-बस सेवा को रामलीला मैदान से दिखाई हरी झंडी

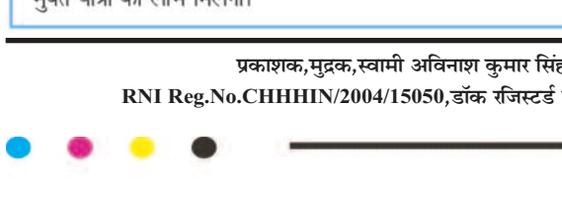

नई दिल्ली,08 फरवरी 2026। दिल्ली के रामलीला मैदान में रविवार को आयोजित एक भव्य समारोह में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 500 नई इलेक्ट्रिक (ईवी) बसों तथा दिल्ली-पानीपत के बीच अंतरराज्यीय ई-बस सेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। समारोह को संबोधित करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा कि दिल्ली की जनता ने भाजपा को प्रचंड बहुमत देकर एक मजबूत और निर्णायक सरकार का गठन किया है। सरकार के एक वर्ष पूरे होने के अवसर पर दिल्ली को 500 नई इलेक्ट्रिक बसों का उपहार मिलना एक सराहनीय और दूरदर्शी पहल है। उन्होंने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सपनों की दिल्ली को साकार करने के लिए निरंतर समर्पण भाव से कार्य कर रही हैं। नितिन नवीन ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों ने बड़े-बड़े वादे और घोषणाएं कीं, लेकिन परिणाम धरातल पर नजर नहीं आए। इसके विपरीत, वर्तमान सरकार ने अपने काम से यह सिद्ध किया है कि यह परिणाम देने वाली सरकार है। जीरो टॉलरेंस ऑन करप्शन,डिजिटल पारदर्शिता और प्रशासनिक जवाबदेही बीते एक वर्ष में स्पष्ट रूप से देखने को मिली है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इस मौके पर कहा कि दिल्ली के इतिहास में यह पहली बार है जब एक साथ 500 नई इलेक्ट्रिक बसों को सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था में शामिल किया गया है। इसके साथ ही दिल्ली में ईवी बसों की कुल संख्या 4,000 से अधिक हो गई है, जिससे राजधानी देश का सबसे बड़ा इलेक्ट्रिक बस बेड़ा वाला शहर बन गई है। उन्होंने बताया कि दिल्ली-पानीपत के बीच तीन नई इलेक्ट्रिक बस सेवाओं की शुरुआत भी की गई है, जिससे यात्रियों को सुरक्षित,सुविधाजनक और प्रदूषण-मुक्त यात्रा का लाभ मिलेगा।

अब भारत को तोड़ने वाले टूट जाएंगे यह 1947 का भारत नहीं है : मोहन भागवत

मुंबई,08 फरवरी 2026। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने रविवार को मुंबई में कहा कि अब भारत को तोड़ने वाले टूट जाएंगे,यह 1947 का भारत नहीं है। उन्होंने कहा कि 2047 में अखंड भारत के उदय की कल्पना करनी चाहिए। संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत आज राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर मुंबई में आयोजित नए क्षितिज कार्यक्रम के दूसरे दिन पहले सत्र को संबोधित कर रहे थे। डॉ. भागवत ने अपने संबोधन में कहा कि गुंडागर्दी कभी किसी पूरे समाज का दोष नहीं होती है। समाज की सजगता से विघातक गतिविधियों के नियंत्रण में सहायता मिलती है। संघ प्रमुख ने कहा कि वर्ष 2047 में अखंड भारत के उदय की कल्पना करनी चाहिए। अब भारत को तोडने वाले टूट जाएंगे, यह 1947 का भारत नहीं है। उन्होंने कहा कि सिख समाज से हमारा खून का रिश्ता है। हमारे बीच रोटी-बेटी का रिश्ता है। केशधारी और सहजधारियों के बीच वैवाहिक संबंध होते ही हैं। श्री गुरू ग्रंथ साहिब में केवल सिख संतों की नहीं,पूरे देश के संतों की वाणी है। हिंदू और सिख एकता का उल्लेख करने से वे अलग हैं। दो हैं ऐसा लग सकता हैं। वह गलत है। कारण हम सब एक ही हैं। संघ प्रमुख ने कहा कि संविधान सम्मत जो भी आरक्षण हैं, उसे संघ का समर्थन है। जातिगत भेदभाव के सभी कारण

पूरी तरह से समाप्त होने चाहिए। वंसत महोत्सव में हमारे तीसरे सरसंघचालक बालासाहब देवरस के भाषण पर आधारित पुस्तक सामाजिक समरसता और हिन्दुत्व में हमारा विचार पूरी तरह से स्पष्ट है। जातिगत भेदभाव के बारे में संघ की भूमिका स्पष्ट और ठोस है। जिन लोगों ने 2 हजार साल तक विषमता झेली,उन भाइयों के लिए अगर 200 साल तक हमें कुछ सहन करना पड़ा तो यह सौदा भी बहुत सस्ता है। राजनीतिक क्षेत्र में काम करने वाले बहुत जातिवादी हैं या बहुत समतावादी हैं,ऐसा नहीं है। वह केवल वोटवादी हैं। जब समाज में पूरी तरह से समरसता स्थापित हो जाएगी तो वे भी जातिवाद के आधार पर राजनीति करना बंद कर देंगे। जाति नाम की व्यवस्था अब नहीं है, वह एक अव्यवस्था है। जातिवादी भावना जा रही है, जाएगी ही,वह सहजता से चले जाए,बस इतना ही प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि संघ भ्रष्टाचार विरुद्ध है। हम शुद्धाचार के पक्ष में हैं। जिसका संस्कार अच्छा है,वह भ्रष्टाचार नहीं करेगा। चाणक्य कहते हैं पानी में मछली कब पानी पी जाती है,पता नहीं चलता। वैसे ही भ्रष्टाचार कब, कैसे होता है,समझना कठिन है। इसलिये भ्रष्टाचार, कायदा कानून सजा से नष्ट नहीं होगा,वो होगा तो केवल संस्कारों से ही होगा। उन्होंने कहा कि डाक्टर लोग कहते हैं कि 19 से 25 साल तक विवाह और कम से कम तीन बच्चे हों तो सभी स्वस्थ रहते हैं। जनसंख्या संतुलन के लिए 2-1 बच्चे होना आवश्यक है। 1 से कुछ होता नहीं। इसलिए तीन बच्चे होना एक आदर्श स्थिति है। ऐसा चिकित्सक,समाज विज्ञानी आदि सभी कहते हैं। बच्चों आदि का परिवरिश,यह कोई बड़ा विषय नहीं है। उन्होंने कहा कि विवाह एक संस्कार है। जिम्मेदारी के साथ विवाह निभाना चाहिए। जनसंख्या असंतुलन के अन्य दो प्रमुख कारण हैं। बर्थ रेट तो तीसरा विषय है। पहला विषय है मतांतरण- कन्वर्जन। स्वेच्छा से कोई मतांतरण करे तो कोई हर्ज नहीं, पर जोर जबरदस्ती से,लालच से अपना झुंड बढ़ाने के लिए जो मतांतरण कराया जाता है,वह बंद होना चाहिए और घर वापसी उसका उपाय है। जनसंख्या असंतुलन का दूसरा कारण है,घुसपैठ।

सॉवरेन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

मॉडल स्ट्रैटेजी नतीजे दे रही : वैष्णव

नई दिल्ली,08 फरवरी 2026। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रविवार को कहा...कि सॉवरेन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) मॉडल स्ट्रैटेजी नतीजे दे रही है। इस दौरान उन्होंने घरेलू स्टार्टअप सर्वम एआई द्वारा जारी किए गए एक एडवांस्ड मॉडल की तारीफ की। पिछले साल इस स्टार्टअप को देश का पहला एआई फाउंडेशनल मॉडल बनाने के लिए चुना गया था। 67 प्रपोजल में से सर्वम एआई को भारत का पहला स्वदेशी फाउंडेशनल मॉडल बनाने के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया था। मंत्री वैष्णव ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि हमारे एआई मिशन के हिस्से के रूप में सर्वम द्वारा जारी किए गए टेक्नोलॉजी में एडवांस्ड मॉडल की सबसे ज्यादा आलोचना करने वाले लोग भी तारीफ कर रहे हैं। हमारे स्मार्ट युवा इंजीनियर मटेरियल साइंस, हेल्थकेयर और साइबर सिक्योरिटी में ऐसे इनोवेशन पर काम कर रहे हैं, जिन्हें दुनिया पाथब्रेकिंग मॉडल के तौर पर देखेगी। सर्वम एआई ने भारतीय भाषाओं के लिए सबसे अच्छे

टेक्स्ट-टू-स्पीच,स्पीच-टू-टेक्स्ट और ओसीआर मॉडल बनाए हैं। पिछले साल दिसंबर में सर्वम एआई के को-फाउंडर प्रत्युष कुमार ने इंडियाएआई मिशन के तहत मल्टीलिंगुअल एआई सिस्टम दिखाए, जिसमें भारतीय भाषाओं के लिए भारत का पहला सॉवरेन फाउंडेशनल लार्ज लैंग्वेज मॉडल (एलएलएम) भी शामिल था। भारत के एआई इकोसिस्टम को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए केंद्र सरकार ने 2024 में 10,300 करोड़ रुपए के आवंटन के साथ इंडिया एआई मिशन को मंजूरी दी। अगले पांच सालों में मिलने वाली यह फंडिंग इंडियाएआई मिशन के अलग-अलग हिस्सों को बढ़ावा देने में मदद करेगी।

किसानों के हित सर्वोपरि,ट्रेड डील से भारतीय कृषि उत्पादों को कोई नुकसान नहीं : शिवराज सिंह

नई दिल्ली,08 फरवरी 2026। केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भारत और अमेरिका के बीच हुई अंतरिम ट्रेड डील को ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि यह डील पूरी दुनिया को यह संदेश देती है कि भारत की नीति समझौते की है, समझौते में झुकने की नहीं। इस समझौते में ऐसा कोई भी उत्पाद शामिल नहीं है,जिससे भारतीय किसानों को नुकसान पहुंचे। किसानों के हित सर्वोपरि हैं, उन पर कोई आंच नहीं आने दी जाएगी। केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान रविवार को अपने भोपाल स्थित आवास पर भारत और अमेरिका के बीच हुई अंतरिम ट्रेड डील को लेकर पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि संतुलित रणनीति अपनाकर सकारात्मक संवाद करते हुए यह ट्रेड डील की गई है। डिप्लोमेसी मतलब राष्ट्र प्रथम, डेवलपमेंट यानी विकसित भारत की दिशा में भारतीय कदम बढ़ाने लिए ट्रेड डील बड़ा आधार है।

भारतीय कृषि और किसान की सारी चिंताओं का समाधान इस ट्रेड डील में किया गया है। यह डील हमारे कृषि उत्पादों को नए अवसर प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि भारतीय कृषि और किसान को सर्वोपरि रखा गया है। यूपीए की सरकार में भारतीय कृषि अर्थव्यवस्था 11वें स्थान पर थी और अब हम तीसरे स्थान पर पहुंचने की ओर तेजी से अग्रसर हैं। हमारे वो सारे कृषि उत्पाद,जो हमारे किसानों की मूल ताकत है, उन सबको इस समझौते से बाहर रखा गया है। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच हुई ट्रेड डील अपने आप में ऐतिहासिक और अभूतपूर्व है।

आर्मेनिया ने पहली बार सीडीएस जनरल चौहान के सामने दिखाए भारत से खरीदे हथियार

नई दिल्ली,08 फरवरी 2026। भारत से खरीदे गए हथियारों का आर्मेनिया ने पहली बार सार्वजनिक तौर पर प्रदर्शन किया है। भारतीय सशस्त्र बलों के प्रमुख जनरल अनिल चौहान इस समय आर्मेनिया दौरे पर हैं। उनके सामने आर्मेनियाई और भारतीय हथियारों के अलग-अलग यूएवी और आर्मेनिया में बनाए गए हवाई बमों के लिए सुधार मॉड्यूल भी दिखाए गए। प्रदर्शित किये गए हथियारों में भारत से मिले आकाश एंटी-एयर क्राफ्ट मिसाइल सिस्टम,पिनाका मल्टीपल रॉकेट लॉन्चर सिस्टम और सेल्फ प्रोपेल्ड हॉवित्जर हैं। हाल के वर्षों में आर्मेनिया के साथ भारत के रक्षा संबंध और भी गहरे हुए हैं। आर्मेनिया ने साल 2022 में पहले विदेशी खरीदार के तौर पर भारत को 720 मिलियन डॉलर में 15 आकाश मिसाइल प्रणालियों का ऑर्डर दिया था। यह आकाश-1एस प्रणाली लड़ाकू विमानों, निर्देशित मिसाइलों और ड्रोन जैसे हवाई खतरों के खिलाफ

विश्वसनीय सुरक्षा प्रदान करती है। डीआरडीओ निर्मित यह प्रणाली दुश्मन के लड़ाकू विमानों का 30 किलोमीटर पहले ही पता लगाकर उसे नीचे ला सकती है।

आकाश मीडियम रेंज की हवा में मार करने वाली मिसाइल है। इसे डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन,भारत डायनामिक्स और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स ने तैयार किया है। चीन के साथ तनाव की शुरुआत के समय से ही पूर्वी लद्दाख सीमा पर भारत ने स्वदेश निर्मित आकाश एयर डिफेंस सिस्टम तैनात कर रखा है। भारतीय सेना की आर्टिलरी रेजिमेंट 155 मिमी/52 कैलिबर टोड गन की उपयोगिता अपने पड़ोसी अजर बैजान से आत्मरक्षा में लगे आर्मेनिया को भी पसंद आई है। इसलिए नवंबर,2022 में आर्मेनिया ने आर्टिलरी गन की आपूर्ति के लिए भारत को 155.5 मिलियन डॉलर का ऑर्डर दिया था, जो 155 मिमी हथियार प्रणाली के लिए किसी स्थानीय कंपनी को दिया गया पहला ऑर्डर था। भारत से 06 एडवांस टोड आर्टिलरी गन सिस्टम (एटीएजीएस) खरीदने के बाद आर्मेनिया ने मार्च,2024 में 84 गन के दूसरे बड़े बैच का ऑर्डर दिया है। अब आर्मेनियाई सेना के पास 90 एटीएजीएस हो गई हैं। टोड होवित्जर की फायरिंग रेंज 45 किमी. से ज्यादा है, इसे मुश्किल इलाकों में हाई एक्यूरेसी, तेजी से तैनाती और असरदार ऑपरेशन के लिए डिजाइन किया गया है।

इससे पहले भारत ने साल 2020 में 350 करोड़ रुपये का सौदा हासिल करके दुश्मन के खतरनाक हथियारों को खोजने में माहिर चार स्वाति वेपन लोकेटिंग राडार (डब्ल्यूएलआर) की आपूर्ति की थी। भारतीय सेना के लिए डिजाइन किए गए इन रडार का उपयोग दुश्मन की तोपों के गोले, मोर्टार और रॉकेट को ट्रैक करने के लिए किया जाता है। दुश्मन के लॉन्चरों पर निगाह रखने के लिए भारत ने इस रडार को पाकिस्तान और चीन की सीमा पर लगाया है। 50 किलोमीटर की रेंज में एक साथ कई दिशाओं से आ रहे गोले और रॉकेट की सही दिशा बताने में ये राडार माहिर है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)